क्या परमेश्वर कभी अपना विचार अपने वचन के प्रति बदलता है?

आईए हम अपने सिरों को झुकाए। प्रिय प्रभु यीशु, हम फिर से आप के नाम में जमा हुए है, परमेश्वर की जिला देने वाली सामर्थ के उंडेले जाने की आशा में कि हम हमें अपने स्थान और स्थिति की पहचान में लाए, और हमारी जिम्मेदारियां, एक बुलाए हुए लोगों के समान, संसार से अलग, परमेश्वर को समर्पित। प्रभु, आज रात्रि इसे ग्रहण करे, ताकि परमेश्वर की आशीषे, हमारा मार्ग दर्शन और निर्देशन उन बातों में करें, जो हम करते है, या कहते है ताकि आपके नाम को महिमा और सम्मान मिले। आमीन।

2 आज रात्रि मैं आपके साथ प्रिय लोगों में कलीसिया में वापस आने में आनंदित हूं, और मैं जानता हूं कि यहां गर्म है, परंतु मैंने बस अपनी पत्नी को टेलीफोन पर बुलाया, मैं सोचता हूं यहाँ नब्बे कुछ है पंचानबे या छयान्बे या ऐसे ही कुछ, और यहां से यह कुछ अधिक गर्म है। इसलिए मैं अब गर्म मौसम से अभ्यस्त हो या हूं इसलिए यहाँ अराधनालय में इस शानदार ईस्टर के समय में मैं आनंदित हूं।

3 और मैं यह नहीं कह सकता कि इस प्रात: मैं अपने लम्बे–लम्बे संदेश के लिए क्षमा चाहूंगा, परंतु मैं... यह था, मैंने नहीं चाहा कि आपके धैर्य को थका दू और आज रात्रि फिर से इस पर आऊं। परंतु मैं उस संदेश को आप तक पहुंचाना चाहता हूं ताकि आप इस पुनरुत्थान के भाग हो जाए। समझे? मैं इस विषय में अधिक चिंता नहीं करता, बस इसमें आनंद करता हूं। कुछ ऐसा नहीं है कहीं पर भी जो आपको इस से अलग कर सके, कुछ भी नहीं, परमेश्वर के राज्य में सदा तक सुरक्षित, जब परमेश्वर ने आपके ऊपर मोहर कर दी है, तो आप गन्तव्य के अंत तक है।

4 जब सरकार पैकेट पर मोहर कर देती है जेल रोड दरवाजे पर मोहर कर देता है, तो उस बड़े बक्से को जब तक गन्तव्य तक ना पहुंच जाए, उसमें गड़बड़ी नहीं कर सकता।

जब परमेश्वर अपनी मोहर मनुष्य पर लगा देता है और मोहर पवित्र आत्मा है। जब वह मनुष्य को इस प्रकार से मोहर बंद कर करता है, तो वह अनंत गन्तव्य को पहुंच गया। कभी भी कुछ और कभी नहीं कर सकता अब वापस नहीं जा सकता क्योंकि स्मरण, इफिसियों 4:30 कहता है, "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित ना करो, जिसमें आप सारे समय के लिए मोहर बंद हुए।" देखिए, आप सदा के लिए मोहरबंद है। देखिए, आप परमेश्वर के राज्य में पवित्र आत्मा के द्वारा अनंत काल के लिए मोहर बंद है। अब इस पर सोचे।

5 तब, आप, शैतान आप को घुसे मारेगा, और वह आप से सब कुछ कहेगा और आप पर दोष लगाएगा और यत्न करेगा, कि आप सोचे कि आप नहीं है, परंतु उसकी ना सुने।

6 अब, आप जानते है कि आप मृत्यु से पार हो कर जीवन में प्रवेश कर चुके है, एक समय आप जिन चीजों से पहले प्रेम करते थे, अब आप उन से और प्रेम नहीं करते। आप जानते है कि आपने परमेश्वर के हर वचन का विश्वास किया है, हम देख चुके है कि परमेश्वर ठीक हमारे मध्य में कार्य कर रहा है, पूरी सिद्धांत के साथ कि वह महान "मैं हूं" है। आपने ध्यान दिया के उसके नाम में जब कभी कुछ कहा गया, कभी नहीं हुआ कि उसके नाम में भविष्यवाणी हुई और ठीक नही घटित हुआ। यहाँ तक की विज्ञान, अखबार, चित्र, कैमेरे, लेखक हर चीज को इसे पहचानना पड़ा कोई मतलब नहीं चाहे वे इसे चाहे या, परमेश्वर ने उन से करवाया, जो भी हो देखिए वे जान गए।

7 अब छोटा झुण्ड के नाते, स्मरण रखें यह कोई बड़ा झुण्ड नहीं जिसके लिए वह आया। "छोटे झुंड मत डर तेरे पिता कि यही इच्छा है... " समझे?

8 मैं आपको एक वचन देना चाहता हूं, झटका मारेगा इसके पहले कि हम एक सेवक का अभिषेक करें और यह बहुत ही स्तब्ध करने वाला है, परंतु केवल कि आप जान जाए। अब मैं यह नहीं कर सकता हूँ कि यह ठीक उतने ही गिनती है, परंतु मैं यह आपके पास छोड़ना चाहता हूं।

9 मैं नहीं जानता कि किन्ही लोगों ने यहां कभी दोगले पशु देखे है, जिसमें कि मैं विश्वास नहीं करता हूँ परंतु मैंने यह देखा है। और मैंने देखा है कि नर के शुक्राणु लेते है, एक छोटे से धातु पर छुआ कर, जैसे छोटी दांत करेदनी और इसे संगेमरमर के टुकड़े कर रखते है और उन लोगों को घुमाते जो इसे

बड़ा कर देते है मैं नहीं जानता कितने गुना जब तक की वह शुक्राणु... जब कि आप स्वाभाविक आंख से कुछ नहीं देख सकते, साधारण कांच से नहीं। परंतु जब इसे बढ़ा किया जाता है सौ या डेढ़ सौ गुना तो आप शुक्राणु की छोटी बड़ी से बूंद, हो सकता है पचास से सौ छोटे शुक्राणु चारों ओर भाग रहे है, मादा में भी बहुत अंडे आते है, शुक्राणु में। और जब इन्हें आस–पास लाया जाता है, अब पहले दो मिलते है और जुड़ते है...

10 दस लाख में से केवल एक ही जीवित रहने वाला है, क्या आपने इस पर कभी सोचा? वे एक से ही जीवणु है, और एक से अंडे वे दोनों एक से है, परंतु केवल एक ही जीवित रहने वाले है। और यह तय नहीं है कि कौन सा वाला पहले मिलता है, क्योंकि कभी–कभी अंडा वहां पीछे और जीवाणु शुक्राणुओं के मध्य में और वह एक दूसरे के पास आ जायेंगे। यह तो बुद्धि है कि जाने यह लड़का या लड़की होने जा रहा है, लाल सिर वाला या जो भी हो या यह तो परमेश्वर का चुनाव है, यह और कुछ नहीं हो सकता, चुनाव!

11 यहां तक कि स्वाभाविक जन्म चुनाव है कि यह लड़का या लड़की होने जा रहा है, यह जो भी होने जा रहा है। और जब यह छोटा जीवाणु इस छोटे अंडे में चला जाता है, और छोटी पूछ बाहर रह जाती है तो यह बालक की रीड को आरंभ करता है, यह यह जिस भी पशु का है या यह जो भी है। और बाकी वे लाखों जीवाणु... लाखों अंडे लाखों जीवाणु और केवल एक ही जीता है। सब एक से परंतु परमेश्वर चुनाव से चुनता है कि क्या जीवन रहने जा रहा है और बाकी नष्ट हो जाते है। दस लाख में से एक!

12 जब इस्राईल ने मिस्र छोड़ा, उन सब ने एक ही भविष्यवक्ता के संदेश पर विश्वास किया उन्होंने मूसा के द्वारा चिन्ह देखें प्रत्येक ने उन्हें देखा। और उन में से प्रत्येक मिस्र से बाहर आया और लाल सागर में से हो कर निकला और मूसा का बपतिस्मा लिया। प्रत्येक ने परमेश्वर की सामर्थ को उस पर उतरते देखा जब उसने आत्मा में गाया और जब मरियम ने खजड़ी बजायी किनारे पर इधर–उधर दौडी। प्रत्येक ने हर रात्रि स्वर्ग के आकाश से ताजा मना खाया, प्रत्येक ने आत्मिक चट्टान से पीया जो मारी गई थी। और बीस लाख लोगों ने मिस्र छोड़ा कितने प्रतिज्ञा के देश तक सफल हुये? दो, दस लाख में से एक। वे सब कहां थे? यीशु ने कहा, वे नष्ट हो

गए। "तुम्हारे पूर्वजों ने जंगल में तीस वर्षों तक खाया और मैं तुम से कहता हूं कि वे सब मर गए।"

13 अब आज रात्रि संसार में पचास लाख करोड़ मसीह है, कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट को सब मिला कर। यदि यीशु उस उठा लिए जाने में आता है, उसके अनुसार जो मैंने अभी अभी कहा तो वहां संसार में से पांच सौ लोग गायब होगे, इस उठा लिए जाने में। और ये तो संभवत: प्रति दिन है, सारे राष्ट्रों में गिने, इनकी कभी नहीं गिने गए। इसलिए यह किसी भी समय हो सकता है।

14 ओह, मसीहो, आओ परमेश्वर के हथियार बांध ले हम जो जानते है वह करें कि कैसे उसकी सेवा करें, उसे प्रेम करें, और उस महान समय के लिए प्रतीक्षा करें।

15 अब, कोई बड़ी भीड़ लाखों की नहीं होगी जो इस पीढ़ी से निकल कर उसमें संग चले। ऐसा नहीं हो सकता।

अब स्मरण रखे प्रति दिन एक पीढ़ी का अंत होता है, प्रतिदिन। "जैसा कि नूह के दिनों में था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा, जहां आठ प्राण पानी के द्वारा बच गए।" परंतु प्रति दिन किसी के लिए चालीस वर्ष समाप्त होते है किसी के लिए। समझे? और प्रति दिन बहुत सारे राज्य में मोहर बंद होते है। एक दिन अंतिम दिन आ जाएगा।

अब हम निश्चित हो जाए, जब की हम अपने सही मनोस्थिति में है और कलीसिया मैं और लोगों के मध्य में, जहां पवित्र आत्मा ने स्वयं को हमारे संग में प्रमाणित किया है, हम निश्चित हो जाए कि हर चीज ठीक है, और उसके सामने बने रहे।

16 रुकिए नहीं। विश्राम ना करे, रात और दिन जब तक की जीवित करने वाली सामर्थ आपको संसार की चीजों से बाहर ना ले आए, और परमेश्वर के राज्य में ले जाए। और आप जो सच में परमेश्वर के राज्य में लाए गए है और परमेश्वर के आत्मा से जिलाए गए है, कितने आनन्दित है! आनंद के आंसू हमें अपने घुटनों पर होना चाहिए, दिन और रात, परमेश्वर ने जो किया उसके लिए धन्यवाद करते रहे।

17 आज रात्रि सभा में हमने थोड़ा बदलाव किया है। हमारे साथ प्रिय भाई यहाँ भाई कैप्स है। वह हमारे पास नाजरीन कलीसिया से आए है। और मैं

सोचता हूं यह ठीक बात है, भाई कैप्स? वह सोचते है कि आज रात्रि हमारे द्वारा उनका अभिषेक किया जाए, हाथों के रखने के द्वारा।

18 हमारे पास कागज नहीं है कि जो किसी को दिया जाए, तब भी हम मान्यता प्राप्त जैसे... हम कागज़ रख सकते है, परंतु हम विश्वास करते है कि एक सच्चा अभिषेक सेवक उसके कागज स्वर्ग में है। समझे? और उसके— उसके पास अधिकार है कि बाईबल का प्रचार करें जब तक परमेश्वर उसके जीवन को बाईबल से प्रमाणित करता है। हम विश्वास करते है, यही उसके प्रमाण पत्र है।

19 और, कानूनी रीति पर भाई कैप्स नाजरीन कलीसिया में अभिषेक हुआ है, परंतु आज रात्रि वे चाहते है, प्राचीन और आदि, उन पर अभिषेक के लिए हाथ रखे कि संदेश को ले कर चले। क्या ही महान बात है!

20 मैं सदा से जब से टूयूसान में था मैंने सुना है, भाई कैप्स की शानदार रिपोर्ट यहां हमारे कृपालु भाई नेविल की सहायता में, जो ज्योति की इस मशाल को दृढ़ता पूर्वक थामे सकते है। हमने भाई नेविल पर हाथ रखे है, परंतु भाई कैप्स के ऊपर नहीं। और मैं उन सेवकों को चाहता हूं, भाई जैक्सन और वे यदि वे लोग यहां पर है और भाई रुडल और कलीसिया के प्राचीन यदि वे लोग यहां कुछ मिनटों के लिये और भाई कैप्स के ऊपर अपने हाथ रखे। और...

21 अब हम बाईबल में पाते हैं कि उन लोगों ने इसी प्रकार से किया उन्होंने उनके ऊपर हाथ रखे और फिर उन्हें अलग भेजा। और इसी प्रकार से तिमुथियुस के साथ किया। कहा, "इस वरदान के द्वारा जो तुम तुझ में था अपनी नानी लुईस से... " उन्होंने इसको देखा कि इस मनुष्य में वरदान है, प्रेस्तबुस के द्वारा, हाथ रखने के द्वारा आया।

22 अब, बाद के दिन में भाई लोग, बाद के दिनों कि वर्षा के भाई उन मिले जुलो के द्वारा मिला। उन्होंने सोचा कि वे उसे दान दे रहे है यह करने के द्वारा। नहीं, वरदान तो उसमें पहले ही था, उन्होंने बस उस पर हाथ रखे एक स्वीकृति के समान और उन्होंने विश्वास किया कि परमेश्वर ने पहले ही उसमें वरदान रखा है। और हाथों के रखने के रखने के द्वारा उन्होंने इस की स्वीकृति की।

23 और ये मनुष्य यहाँ इस कलीसिया में जो कि मैं विश्वास करता हूं कि यह उनके प्राणों को जिलाने वाली सामर्थ के द्वारा पकड़े हुए है; यदि

आप भाई लोग थोड़ा सा यहां आए, भाई रुडेल और आप बाकी लोग जो यहां कलीसिया में है और प्राचीन और साथ की दूसरी कलीसिया जो के आस–पास है कि आकर भाई कैप्स के ऊपर हाथ रखे, ताकि उसे हमारी स्वीकृति के द्वारा अभिषेक मिले इस मंच मंडली के सामने और प्रभु यीशु का सुसमाचार सुनाने को बाहर भेजे, जहां कहीं भी परमेश्वर उसे बुलाये। वह...

वह जन्म के द्वारा पहले ही हम में से एक है। वह हम में से एक है क्योंकि उसने संदेश का विश्वास किया है वह हम में से एक है, क्योंकि उसने वचन कि सच्चाई के लिए पक्ष लिया है। और हम चाहते है कि भाई केप को कानूनी रीति पर अभिषेक करें, आपके सामने हाथों के रखने के द्वारा कि वह हम में से एक है।

ठीक है, भाई रुडेल भाई कैप्स, भाई नेविल। भाई जूनियर जैक्सन, कोई भी सेवक, जो यहां पर है मुझे नहीं मालूम कि कितने यहां पर है। मैं नहीं... मैं समझता हूं वे स्वयं अपनी सभाये आज रात्रि करते है, इसलिए सीधे यहां आए, भाई कैप्स।

अब भाई हंटर कहां है और वे न्यू यॉर्क से... भाई अन्थोनी? समझता हूं वे वापस चले गए [भाई नेवील कहते है, "भाई अन्थोनी वहां पीछे है।"—सम्पा।]

कोई भी जो दूसरे यहां है जो हमारे साथ है, क्यों हमें प्रसन्नता होगी कि आप यहां आए और यहां अब हमारे साथ खड़े हो, एक मान्यता के समान की भाई कैप्स का होने के लिए विश्वास करते हैं।

भाई कैप्स को यहां कितने लोग जानते हैं, अपने हाथ उठाए। ठीक है, अपने हाथ नीचे कर ले, कितने विश्वास करते हैं कि यह परमेश्वर का दास है, अपने हाथ उठाये। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] हम उसे अपने भाई के समान प्रेम करते हैं।

24 अब यह बिल्कुल सही विधि नहीं है जिसे कि हम अभिषेक कहेंगे परंतु हम इस भक्त मंडली से चाहते हैं... मै इस गाने को नहीं गा सकता, मैं चाहता हूं कि आप इस में मेरी सहायता करें। ये...

25 एक दिन नबी मंदिर की वेदी पर गया। और जिस समय वह मंदिर में था... वह एक भला मनुष्य था, परंतु वह उज़ियाह राजा के ऊपर भरोसा करता था, और वह एक—एक भला मनुष्य था। परंतु फिर भी एक दिन

मंदिर में जब उसे दर्शन मिला तो उसने कुछ देखा, जो उसने पहले कभी नहीं देखा था। उसने पंखो वाले स्वर्गदूत देखें, उस ईमारत में आगे–पीछे उड़ रहे थे और, "पवित्र, पवित्र, प्रभु परमेश्वर सामर्थी चिल्ला रहे थे!"

आइए भाई। जी हां। देखा?

"पवित्र, पवित्र, पवित्र, सर्वसामर्थी प्रभु परमेश्वर!"

बेन?

26 और जब यह हुआ तो मंदिर के खंभे हिल गए, और उसने कहा, "हाय, मुझ पर, क्योंकि मैं अशुद्ध होठों वाला मनुष्य हूँ।" उसने परमेश्वर की उपस्थिति में पहचाना यद्यपि वह भी भविष्यवक्ता था, वह गलत था। उसने कहा, "मैं अशुद्ध होठों वाला मनुष्य हूँ, और में अशुद्ध होठों वाले लोगों के बीच रहता हूं।"

27 और एक स्वर्गदूत उड़ा और कोयले का अंगारा लिया, और उसके होठों को छुआ और कहा, "मनुष्य की संतान भविष्यवाणी कर!"

बहन, क्या आप इस पर हमें एक स्वर देगी, यदि आप दे। कितने लोग उस गीत को जानते है? आइये, उसका एक पद ले। तो ठीक है।

जब कोयले के अंगारे ने नबी को छू लिया,
और उसे इतना शुद्ध किया, जितना शुद्ध हो सकता था,
जब परमेश्वर की आवाज ने कहा, "कौन हमारे लिए जाएगा? "
तब उसने उत्तर दिया "मैं यहां हूं मुझे भेज।"

[खाली स्थान—सम्पा।]... बोल, मेरे प्रभु,
बोल, और मैं तुझे तुरंत उत्तर दूंगा;
बोल, मेरे प्रभु बोल मेरे प्रभु,
बोल, और मैं उत्तर दूंगा, "प्रभु, मुझे भेज।"

लाखों अब पाप में, लज्जा में मर रहे है;
उनकी दु:ख भरी और कड़वी चिल्लाहट को सुने;
जल्द करो भाई, उनके बचाव के लिए जल्द करो;
तुरंत उत्तर दो, "स्वामी मैं यहां पर हूं।"

बोल, मेरे प्रभु, बोल मेरे प्रभु
बोल, और मैं तुझे तुरंत उत्तर दूंगा;
बोल, मेरे प्रभु, बोल, मेरे प्रभु
बोल, और मैं उत्तर दूंगा, "प्रभु मुझे भेज।"

एल्डर याने प्राचीन लोग आस–पास आ जाए, और भाई कैप्स के ऊपर हाथ रखे। हम अब अपने सिर को झुकाए।

28 प्रिय परमेश्वर, मंदिर के खंभे फिर हिले हैं और जैसा देखा गया कि जीवन देने वाला आत्मा हमारे भाई में कार्य कर रहा है, परमेश्वर मैं प्रार्थना करता हूं जैसा कि यह इसे ऊपर से अनुभव करता है, ये कहता है कि मुझे जाना ही चाहिए। हम अपने हाथ उसके ऊपर रखते हैं, प्रभु, आपके प्राचीनो के समान और उसे संगति के लिए दाहिना हाथ देते हैं; और अपने हाथ उस पर रखते हैं और परमेश्वर की आशीषे इस पर उंडेले ताकि आप इसके होठों का अभिषेक करें उसके विचार उसका सारा कुछ और होने पाए यह संदेश के सुसमाचार को हर दरार और कोने तक ले जाए जहां आप उसे बुलायेगे। प्रभु, इसे प्रदान करें, हम अपने भाई को आपका दास होने के लिए देते हैं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

29 मेरे युवा भाई "वचन प्रचार करे।" "समय, असमय फटकार, डांट लगाकर सारे संयम और शिक्षा के साथ।" भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे।

30 [भाई बेन ब्रेगंट कहते हैं भाई ब्रन्हम क्या आप मुझ पर हाथ रखेंगे? क्या ये लोग मुझ पर हाथ रखेंगे? मैं भी अभिषिक्त होना चाहता हूं।—सम्पा।] क्या आप... मुझे नहीं मालूम कि आप नहीं हुए।

भाई ब्रेन यहां पर है, हमारे पास आये हैं मैं सोचता हूं कि ये कुछ समय से प्रचार कर रहे हैं। तो भी कानूनी रीति से इनका अभिषेक नहीं हुआ था (मैंने सोचा, ये है; यही कारण है कि मैंने इन्हे बुलाया) या यहां इन पर हाथ रखूं।

31 अब भाई बेन की पत्नी यहां कही है और ये प्रिय व्यक्ति है ये एक महिला प्रचारक थी और जब यह और हमारे भाई ने विवाह किया था और वह उसे आराधनालय में लाया। और जब उसने देखा और वचन सुना, यद्यपि अच्छी महिला अच्छे व्यक्तित्व के साथ परंतु जब उसने देखा कि यह करना स्त्री के

लिए गलत है वह एक और हो गयी; और अपने पति पर निर्भर हो गयी। यह सही है। एक प्रेरिताई है। यह इस प्रकार होना चाहिए।

32 भाई बेन टेप लेते हैं, जैसा मैं समझता हूं अपनी पत्नी को साथ लेते हैं वे बाहर के स्थानों में जाते हैं, वहां दूर पहाड़ों में जंगलों में और वे यह टेप बजाते और इन टेपों पर टिप्पणी करते। बहुत सी बार ये भगाये गए, निकाले गए, बाहर निकाले गए। हम ये ही आशा करते हैं। "क्योंकि वे जो मसीह यीशु में भक्ति का जीवन बिताते हैं दुख उठायेंगे।"

33 यहां कितने हैं जो भाई बेन को जानते हैं? कितने विश्वास करते हैं कि ये परमेश्वर के दास है, [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] इस आशीष के योग्य है जो हम इनके लिए परमेश्वर से मांगेंगे? देखिए, ये अपरिचित नहीं है, यह हमारे साथ वर्षों वर्षों से है मैं उन्हें एक नम्र व्यक्ति करके जानता हूं यह मुझे पसंद करते हैं; ये बहुत सी गलतियां करते हैं। हम सब यह करते हैं। मैं भाई बेन के विषय में क्या पसंद करता हूं वे इसे ठीक करने के लिए अपने घुटनों पर चलते हैं।

और जब उस दिन उन्होंने *विवाह और तलाक* पर सुना, वह और इनकी पत्नी अलग होने को तैयार थे, क्योंकि वह इन्हें और यह उसे प्रेम करती है, परंतु वे परमेश्वर के वचन के संग बने रहना चाहते हैं। जो भी कहे वे बस वही चाहते हैं। मैं प्रार्थना करता हूं परमेश्वर बेन और उनकी पत्नी को आशीष देगा, उसकी सेवकाई को भी।

आइये हम अपने भाई पर अपने हाथों को रखें।

34 प्रिय परमेश्वर, हम अपने हाथ अपने भाई बेन के ऊपर रखते हैं एक चिन्ह के द्वारा की हम उस से प्रेम करते हैं। और हम विश्वास करते हैं, प्रभु कि यह आपके कार्य को करने की इच्छा रखता है, कि इन टेपो के साथ बाहर भेजा जाए कि इन्हे इन पहाड़ों पर लोगों के बीच में बजाए दूर जगहों में जहां हम में से बहुत से वहां कभी नहीं पहुंच सकते, परंतु फिर भी संदेश को समस्त संसार में जाना है। हम प्रार्थना करते हैं आप हमारे भाई को आशीष देंगे, और उसे अपना आत्मा देंगे और होने पाए यह उस पर उतरे। और उसका मार्गदर्शन करें, उसका निर्देशन करें और उसकी पत्नी उन स्थानों में जहां संभव है, प्राण वहां पर हो और द्वार बंद नहीं हो सकते, जब तक एक भेड़ भीतर ना लायी जाये। आप 99 को लेकर संतुष्ट नहीं है... हर एक नाम जो पुस्तक में है, भीतर आना ही चाहिए। उनकी सहायता करें, प्रभु जैसा

कि हम अपने हाथ इसके ऊपर रखते हैं जैसा कि उसे हम अपने साथ लेते हैं एक अपने भाई के समान और हमारी सहायता और प्रार्थना उनके लिए उनके साथ जाएगी। हम प्रार्थना करते हैं कि आप इसकी सहायता करेंगे प्रभु, जहां कहीं यह जाता है, यीशु के नाम में। आमीन।

भाई बेन आप को आशीष मिले! संगति के लिए हम आपको अपना दाहिना हाथ देते हैं, एक सेवक भाई के नाते। भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे।

35 [भाई इर्ल मार्टिन कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, क्या आप अपना हाथ मुझ पर रखेंगे, एक पास्टर के समान कार्य करने के लिए अभिषेक करें?"—सम्पा।] जॉन मार्टिन... ["अर्ल।"] अर्ल।

कितने लोग एर्ल मार्टिन को जानते हैं? कितने इनका मसीह के दास होने का विश्वास करते है? यह हमारे पास वहां से आते हैं मैं विश्वास करता हूं मूलतः पेंटीकोस्टल झुण्ड से है, और अब मैं सोचता हूं यह पास्टर और आत्म निर्भर होकर कार्य करते है।

36 मैंने भाई एर्ल को मसीह का वास्तविक दास के समान जाना है। मैं एक कार्य कभी नहीं भूलूंगा बहुत से हुए परंतु एक काम एर्ल के साथ मुझे स्मरण है। एक रात्रि उन्होंने इन्हें बुलाया मैं डालास टेक्सास में था; या मैं विश्वास करता हूं यह... [एक बहन कहती है, "ब्यूमाउंट।"—सम्पा।] ब्यूमाउंट टेक्सास, ठीक है बहन। और वे... इसका बालक मर रहा था और उन्होंने सोचा कि यह मर चुका है। वह सांसे नहीं ले रहा था। और एर्ल ने मेरे कमरे में के पास आने का रास्ता बना लिया, एक पिता के समान, कंधे झुकाए हुए, मेरे सामने झुक गया, जैसा कि मैं पलंग में था। लुढका; और उसने अपने अपने हाथ मेरे चारों और डाल दिए कहा, "भाई, मैं विश्वास करता हूं कि आप परमेश्वर के भविष्यवक्ता है। मैंने सदा यही विश्वास किया है। यदि बस आप एक शब्द कहें यदापि मेरा बालक मरा हुआ है तो कभी भी वह जीयेगा।" और उसका बालक वापस जीवित हो गया, जीवित है।

37 क्या आप विश्वास करते हैं यह योग्य है की संगति के लिए इन्हें अपना दाहिना हाथ दिया जाए इन विश्वासियों का? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

आइये, भाई, हम प्रार्थना करें हम अपना हाथ उस पर रखते हैं।

38 अनुग्रहकारी स्वर्गीय पिता, हम फिर अपने हाथों को अपने भाई मार्टिन के ऊपर रखते है। प्रभु हम उसे भेजते हैं उन दूर–दराज क्षेत्र में जिसे तूने अभिषेक किया है कि हो जाए यहां कहीं यह हो बहुत से थोड़े से छोटे मार्ग को राजकीय मार्गो, यदि बयाबत हो। जहां कहीं यह हो, प्रभु, होने पाए आपकी आशीष उसके संग रहे, हम अपने हाथों को इस पर रखते हैं जैसा कि हम इसे आदेश देते हैं कि आप की गति और उसे अपनी आशीषे देते हैं कि वह आत्मा जो हम पर है, प्रभु, उसके संग जाये, और इसका मार्गदर्शन और निर्देशन करें, इन खोये हुए प्राणों के लिए वहां बाढो और राजमार्गों पर। हम इसे यीशु मसीह के नाम में भेजते हैं। आमीन।

भाई मार्टिन, परमेश्वर आपको आशीष दे। अब जाए, प्रभु आपके साथ हो।

39 इसी उद्देश्य के लिए [भाई रिचर्ड ब्लेयर भाई ब्रन्हम से बातें करते हैं—सम्पा।] आपका नाम रिचर्ड है? ["जी हां, रिचर्ड ब्लेयर।"] कितने रिचर्ड ब्लेयर को जानते है? कितने उनका परमेश्वर का दास होने का विश्वास करते है? वह यूनाइटेड पेंटीकोस्टल कलीसिया के झुंड से आए हैं।

और भाई, भाई ब्लेयर में उनकी महान बुलाहट को याद करता हूं। मुझे वह समय याद है जहा भाई ब्लेयर मुझ पर विश्वास नहीं करना चाहते थे, क्योंकि एक आत्मा उनके साथ कार्य कर रही थी उसे बता रही थी कि मैं झूठा हूं। जबकि वह वहां सभा में बैठे हुए थे और पवित्र आत्मा ने पलट कर पुकारा। [भाई ब्लेयर कहते हैं, "यह ठीक बात है।"—सम्पा।] और वह टूटने के लिए तैयार थे, और वही उन्हें इस रुप में लाया।

और मुझे उनकी प्रिय पत्नी स्मरण है, एक दिन मुझे बुलाया। उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, मैं विश्वास करती हूं कि रिचर्ड मरने वाला है।" और उसके पास मेरा विश्वास है एक रुमाल था। वह गई और उसके ऊपर रख दिया, जैसा मैंने उसको कहा और प्रार्थना की, वह अब यहां पर है। [भाई ब्लेयर कहते है "आमीन।"—सम्पा।]

40 एक छोटा बालक दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, या... [भाई ब्लेयर कहते हैं "मेरा लड़का।"—सम्पा।] इनका लड़का दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उन्होंने कोई अधिक आशा नहीं दिलाई उसके लिए दिमाग की चोट थी और यहां तक कि टेलीफोन की। प्रार्थना के द्वारा, बालक चंगा हो गया। ["आमीन।"]

क्या विश्वास करते हैं, भाई ब्लेयर मसीह की सच्ची गवाही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आप प्रार्थना करें कि आपकी आशीषे उनके साथ जाए।

भाइयों, अपने हाथ उन पर रखे।

41 प्रिय परमेश्वर, हमारे कृपालु महान भाई को आपके दास को प्रमाणित करते हुए, जो कि अपने ही झुंड से आया है कि उजियाले में चले। पिता, हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे भाई ब्लेयर को आशीषित करें, जैसा कि हम उसे अपनी आशीषों के साथ भेजते हैं, और अपने हाथ रखने के द्वारा सहमति के साथ प्रभु, जहां कहीं भी आप उसे बुलाये चाहे जो कार्य हो। होने पाए, आपका आत्मा भाई ब्लेयर के साथ जाए। इसका मार्गदर्शन और निर्देशन करें उनके लिए जो इस संसार में नष्ट और मर रहे हैं कि ये खोई भेड़ो को ढूंढने में सहायक हो ताकि ये उस झुंड में वापस ला सकें। यह चाहे जहां हो सकता है इसके लिए आपके पास जो भी हो, प्रभु, हम मांगते हैं आपका आत्मा इसकी अगुवाई करे, इनकी जीवन की सारी यात्रा में। हम इनके भाई है। उनको संगति में अपना दाहिना हाथ देने के द्वारा हम प्रार्थना करते हैं, कि आप इसके साथ–साथ जाए यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

संगती का दाहिना हाथ! परमेश्वर आपको आशीष दे भाई ब्लेयर। हम सौ प्रतिशत आपके साथ है, आपके लिए प्रार्थना करते हैं, और आपकी सहायता के लिए कुछ भी करेंगे। परमेश्वर आपको आशीष दे।

42 [भाई मरलीन एन्थोन कहते हैं, "भाई ब्रन्हम मेरे लिए भी वैसे ही है, अभिषेक के लिए।"—सम्पा।] क्या कहा? ["अभिषेक।"] आप कौन हैं? ["मरलीन ऐन्थोन।"] मरलीन ऐन्थोन। ["मैं कलीसिया में हूं।"] कहां? ["यहां कलीसिया में।"] कलीसिया में। कोई भाई मरलीन ऐन्थोन को जानता है? यह मेरे लिए नए है। ["साल्वेशन आर्मी के साथ। मुझे याद करे? "] ओह, हाँ। भाई, मुझे क्षमा करें।

साल्वेशन आर्मी से ठीक है, मुझे याद है, निश्चय ही मैं इन्हें जानता हूं। मैं... इनका चेहरा मुझे जाना पहचाना सा नहीं लगा, इस समय। कितने उन्हें जानते हैं कि ये परमेश्वर के जन है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] कितने विश्वास करते हैं कि—कि परमेश्वर इनके साथ कार्य करता

है, अपने हाथ उठाये। ["आमीन।"] क्या आप इनके लिए प्रार्थना करेंगे? ["आमीन।"]

43 अब भाई, हम जानते हैं कि आप एक बड़े झुण्ड से आए हैं साल्वेशन आर्मी, वे महान लोग हैं। परंतु, परंतु साल्वेशन आर्मी ने सड़कों पर महान कार्य किया है, हम नाजरीन के विरुद्ध कुछ नहीं कह सकते, पेंटिकोस्टल कलीसिया या साल्वेशन आर्मी या उनमें से कोई भी, वे लोग हमारे भाई हैं। परंतु आप देखते हैं कि हम लोग इस घड़ी के संदेश के ले जाने वाले हैं जिसमें हम रह रहे हैं आप यह हमारे साथ करना चाहते है [भाई ऐन्थोन कहते है, "आमीन।"—सम्पा।]

आईये, हम अपने सिरो को झुकाये, जबकि हम अपने हाथ अपने भाई पर रखे हुए है।

44 प्रिय स्वर्गीय पिता, आप ही है जो बुलाते हैं। आप ही है जो वचन को जिलाते है, ताकि वे विश्वास कर सके। और हम अपने हाथों को स्वीकृत के रूप में अपने भाई के ऊपर रखते है कि हम विश्वास करते है कि आप इसके साथ है और इसकी सहायता करेंगे। हम अपनी आशीषें इनके साथ भेजते है, हम जो विश्वास करते है कि हम मृत्यु से पार हो कर जीवन में आ गए है, और अब अपने हृदयों में जिला देने वाली सामर्थ पकड़े हुए है, परमेश्वर के अनुग्रह से। हम अपने हाथ भाई पर रखते है और अपनी आशीषों के साथ भेजते है, ताकि आप इनका मार्गदर्शन और अगुवाई करे और इनका निर्देशन पृथ्वी के हर दरार में करे जिसके जाने के लिए आपने इन का अभिषेक किया है। आपका आत्मा इनके साथ जाए और इन्हे स्वास्थ्य, सामर्थ और इनकी सेवकाई में सफलता दें, क्योंकि हम इन्हें यीशु मसीह के नाम में भेजते है। आमीन।

45 भाई परमेश्वर आपको आशीष दे। यह संगति का दाहिना हाथ है आप जानते है, भाइयों इनके साथ हाथ मिलाए भाइयो इस प्रकार से। ताकि आप लोग... ठीक हैं, प्रभु आप सब को आशीष दे।

46 [भाई केरल कहते है, "अधिकारिक रूप में मेरा कभी नहीं हुआ, क्या आप मुझ पर अपना हाथ रखना चाहेंगे वैसे वे, यीशु के नाम में।"—सम्पा।] आप जो भी चाहे और आपका... ["समय होने को और वैसे ही जैसे वे"] अब, आपका क्या नाम है? ["भाई केरल सिनसिनाटी से।"] भाई केरल।

[भाई केरल कहते हैं, "मेरा एक सेवक की नाई अभिषेक हुआ, परंतु मैं भाई के साथ सहमत नहीं हो सका, जो कि स्त्रियों को सेवक होने के लिए अभिषेक कर रहा था, और मुझे इससे अलग होना पड़ा।"—सम्पा।]

यह भाई केरल सिनसिनाटी से है। कोई भाई केरल को जानता है अपना हाथ उठाए... सिनसिनाटी होने के नाते मुझे संदेह है कि कोई जानता है। ये कहता है, यह उस झुंड के साथ थे और वह झुंड स्त्रियों को अभिषेक करना चाहता है। ये इसे सहन नहीं कर सके, और इन्हें उन से नाता तोड़ना पड़ा।

ठीक है, इसी प्रकार से मैं बैपटिस्ट मिशनरी से अलग हुआ डॉ रॉय इ दाविस, कितनों ने उनके विषय में कभी सुना है? निश्चय ही, आपने सुना है वह किसी महिला प्रचारक को अभिषेक करना चाहते थे, और मैंने कहा, "नहीं, श्रीमान। एक प्राचीन याने एल्डर के नाते," मैंने कहा, "मैं यह नहीं कर सकता जान बुझकर। यह परमेश्वर के वचन के विरुद्ध है।"

47 भाई केरल, मैं आपको नहीं जानता। परंतु आपकी गवाही के आधार पर और यह सत्य जिसके लिए आप खड़े हैं... हम उन महिलाओं के विरोध में नहीं है। वे बहने है। हम उन से प्रेम करते है परंतु हम विश्वास करते हैं कि उनका अपना स्थान है और उन्हे वही रहना चाहिए। समझे? और हम विश्वास करते है यह पुरुष की प्रिय सहायक है। और किसी रीति से नहीं... हम सोचते हैं वे एक उद्धार को छोड़ सबसे महान उपहार है, जो कभी परमेश्वर ने मनुष्य को दिया। परंतु उसका स्थान प्रचार मंच पर नही है, परमेश्वर के वचन के अनुसार। इस आधार और परमेश्वर में आपका विश्वास हम आप पर हाथ रखते है, एक संगति के समान कि आकर हमारे साथ बढ़े।

आईये हम उन पर हाथ रखे।

48 हमारे प्रिय स्वर्गीय पिता! यह युवा पुरुष, मैं अब जान सकता हूं कि यह कैसा अनुभव करता है वास्तविक सच्चाई के लिए यह बाहर निकाला गया। "मनुष्य केवल रोटी से ही नहीं जियेगा, परंतु हर वचन से," इसलिए हम इस पर हाथ रखते हैं अपनी आशीषे इस पर रखते हैं। होने पाए आपका आत्मा इसका मार्गदर्शन, अगुवाई करें और इसका निर्देशन करें इसकी जीवन यात्रा में यह जहां कहीं भी। आप इसे भेजें प्रभु। उसे मालूम हो, कि हम उसके लिए प्रार्थना करते हैं और उसके लिए एक सहायता होंगे और उसका पक्ष

लेंगे जब तक वह सच्चाई के लिए खड़ा रहेगा। प्रभु, इसे प्रदान करें। हम इसे यीशु मसीह के नाम में भेजते है। आमीन।

भाई केरल, परमेश्वर आपको आशीष दे।

आप जिन–जिन लोगों ने अपना हाथ इन पर रखा है। आप सब एक प्रकार से सीधा हाथ संगति के लिए दे।

49 भाई रुड़ेल, यहां कभी वैज्ञानिक रीति से अभिषेक नहीं हुए कलीसिया में। कितने... भाई रुडेल को जानते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] हम सब उन्हें जानते हैं। कितने जानते हैं कि यह परमेश्वर का जन है? ["आमीन।"]

प्रिय स्वर्गीय पिता, एक प्राचीन होने के नाते अपने हाथों को भाई पर रखता हूँ, जो शहरे मटमेले पानी में गया। इसने अपनी भक्त मंडली को गिरते देखा इसने देखा कि हर चीज हो रही है, परंतु फिर भी विश्वास किया। यद्यपि... ? ... हम अपने हाथ इस पर रखते हैं, और अपनी आशीषे इसे ऐसे देते हैं। इसका अभिषेक करें, प्रभु, सर्वशक्तिमान, वचन के साथ और पृथ्वी की हर दरार मैं इसे भेजें!... ? ... होने पाए इस पर हो और इसकी सहायता करें। और इसे यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

50 भाई रुडल, आपको सदा संगती का दाहिना हाथ मिले। मैं भाई रुडल को जानता हूं। यह मेरे अपने लड़के जैसा है। उसका पिता और मैं, मां एक दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। और मैं जानता हूं, भाई रुडल परमेश्वर का दास है। मैंने इनके साथ सेवा की है। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई रुडल।

51 उसका क्या नाम है? भाई, आप कौन है? [कोई कहता है, "भाई मार्टिन का साला।"—सम्पा।] भाई मार्टिन। भाई मार्टिन, आप इन्हें जानते है?

आपका क्या नाम है? [भाई कहता है "रेव मक कामस।"—सम्पा।] भाई मक कामस, मैं समझता हूं, यहां कोई नहीं है, जो आपको जानता हो, परंतु ये... यहां यह व्यक्ति इन्हें जानता है भाई टेलर। और वह आया है... इनके ऊपर हाथ रखने को ताकि यह सुसमाचार का फैलाने वाला हो। भाई मक कामस, आप कहां से हैं, भाई मक कामस? ["रॉक फोर्ड इलिनोयस से।"] रॉक फोर्ड फ़्लिनोइस। ["आपने पिछले सप्ताह, या पिछले सोमवार फोन पर मेरी पत्नी के लिए प्रार्थना की।"] ट्यूसान से, ओह, क्या यह

ठीक बात है? ["ट्यूसान एरीजोना।"] ओह, मुझे अब फोन की याद है। ["अगली प्रातः वह उठ गई।"] प्रभु की महिमा हो!

[भाई मार्टिन भाई ब्रन्हम से कुछ कहते है।—सम्पा।] क्या कहा? क्या कहा? ["मेरी सबसे छोटी बहन।"] आपकी बहन। [वह अब यहां है। पैरालाइज याने लकवाग्रस्त।] वह अब यहां पर है, उस रात्रि उसके लिए प्रार्थना हुई थी ट्यूसान से, टेलीफोन के द्वारा। ["लकवाग्रस्त थी।"] लकवा... [वह लकवे की मारी थी, और अब वह यहाँ पर है] उसे कुछ रात्रि पहले लकवा मार गया था और अब वह यहां पर है। भाई मार्टिन, यह जानते हैं, मित्र। कोई आश्चर्य नहीं वह संदेश लेना चाहते है!

इन पर हाथ रखे भाइयों।

52 प्रिय परमेश्वर, मैं इन सब के साथ आपके दास पर हाथ रखता हूं, और इसे संगति का दहिना हाथ देता हू प्रार्थना करता हू कि परमेश्वर की आशीषे... ? ... [भाई ब्रन्हम की आवाज साफ नहीं है।—सम्पा।]... ? ... कि आपने होने के लिए अभिषेक किया है। आपकी आशीषे इस पर हो और इनका मार्गदर्शन और निर्देशन करें यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

मेरे भाई संगति का दाहिना हाथ, और वे जो आपके साथ है परमेश्वर आपके साथ हो।

53 [कोई कहता है, "भाई ब्रन्हम? "—सम्पा।] हां, भाई? ["मेरे पास एक और है, वह भी यह चाहता है।"] ठीक है, श्रीमान। मैं विश्वास करता हूं यह... ["भाई डेरिस।"] भाई डेरिस। मैं नहीं... ["मै भाई एर्ल और भाई ब्रिवर को जानता हूं।"] यह व्यक्ति भाई दारिस है। भाई आप कहां से है? ["मक रॉक, अर्कांसस से।"] ब्लैक रॉक अर्कांसस से भाई... ["भाई, मैं इसे जानता हूं।"]... इसे जानते है। कोई और, मैं विश्वास करता हूं, यहां कहा... भाई ब्रीवर। मैं विश्वास करता हूं कि मैं उनसे मिला हूं, इस प्रातः। और—और बहन वायल मैंने सोचा, भाई वायल और वे है जो इसे जानते है, और परमेश्वर के जन के समान जानते है, एक परमेश्वर का दास। बहुत अच्छा!

54 ठीक है, अब मेरे प्रिय भाई, इस संदेश को ले चलने वाले, हम आपको यह बताना चाहते हैं कि हम आपके पक्ष में खड़े होंगे जो हम कर सकते हैं। हम आपके लिए प्रार्थना करेंगे, कि आप भी इस संदेश को ले जायेंगे, वहां दूर दराज जहां जाने के लिए परमेश्वर ने आपको अभिषेक किया है।

आइए हम अपने हाथ भाई डेरिस पर रखे।

प्रिय परमेश्वर, हम अपने हाथ अपने भाई पर रखते हैं, और उसे संगति का दाहिना हाथ देते हैं, और उसे यीशु मसीह के नाम में भेजते हैं, कि आप इस का अभिषेक करेंगे। और... ? ... उसे संगति का दाहिना हाथ दे... ? ... और आपकी आत्मा इसके साथ जाती है इसकी अगुवाई और इसका निर्देशन करने यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे।

55 अब, मैं विश्वास करता हूं भाई अन्थोनी। बहुत से भाई अन्थोनी को जानते हैं। यह हमारे साथ लंबे समय से है। मैं स्वयं उन्हें मसीह का दास के समान जानता हूं, मैं विश्वास करता हूं कि या समर्पित युवा पुरुष है। इनके ऊपर कभी भी वैज्ञानिक रीति से हाथ नहीं रखा गया। उन्हें नहीं मालूम था कि यह आ रहा है, मित्रों। समझे? परंतु इस समय उतना ही अच्छा है जितना कोई भी इसलिए हम भाई अन्थोनी पर हाथ रखने जा रहे हैं, और इन्हें संगति का दाहिना हाथ दे। परमेश्वर को ही अभिषेक करना है, यह केवल उसके जानने के लिए और आप जानते हैं कि हम इस भाई के लिए विश्वास करते हैं और इस से प्रेम करते है और संदेश में यह हम में से एक हैं। और हम चाहते हैं कि इस पर परमेश्वर की आशीष हो, और यही हम इस पर चाहते हैं। आइए जब इस पर हाथ रखते हैं तो हम प्रार्थना करें।

56 प्रिय परमेश्वर, यह नम्र छोटा आपका इटेलियन दास, प्रभु आज रात्रि यह आता है कि इस पर हाथ रखे जाएं और वैज्ञानिक रूप में इनकी और संगति का दाहिना हाथ बढ़ाया जाए कलीसिया से होते हुए। प्रभु, आपका महान सामर्थ इस लड़के को पृथ्वी के भाग पर भेजें और दरार जहां आपने इसे बुलाया है। होने पाए ये लोगों को पाप और रोगों से छुडाये और प्रभु यह जीवन के सारे दिनों में आप की सेवा करें और आप इसकी अगुवाई और मार्गदर्शन करें हमारी आशीषे इसके संग हो जैसा कि हम इसे यीशु मसीह के नाम में भेजते हैं। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीषित करें।

57 [कोई भाई ब्रन्हम से बात करता है।—सम्पा।] ओह? ओह, मैं नहीं जानता हम टेलीफोन सेवा पर है; पच्चास सेंट प्रति मिनट। क्या वहां कोई है जो यहां चाहता हो...

ऊपर आए अपना नाम बताये, आप कौन है, भाइयो, बस ठीक *यहाँ* माइक्रोफोन में। बस उन्हें बताये। [हर भाई अपना नाम बताता है, "पेट टेलर" "क्लाउड बोग्गेस," "डेल पोटर"... ?... "हेनसे," "जेम्स हमेस" "अर्ल होर्नेर।"—सम्पा।] क्या ये वही है? [कोई कहता है, "जी हां।"] मेरे भाइयों।

ये लोग क्या आप लोग इस संदेश, परमेश्वर के वचन में से सत्य होने का विश्वास करते हैं? [भाई लोग "आमीन" कहते हैं।—सम्पा।] क्या आप इसका पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं? ["आमीन ।"] ठीक है । और आप लोग इच्छा रखते हैं और सोचते हैं कि यदि हम आप लोगों पर हाथ रखे... हम आपको यह बताना चाहते हैं कि हम आपके साथ हैं, और आपकी सहायता के लिए हम आपके लिए कुछ भी कर सकते हैं, जो हमसे हो सकता है।

और अब भाइयों मैं चाहता हूं, ताकि मैं भी आप लोगों पर हाथ रखू, तो कदम बढा कर यहां तक आए। और हम सब अपने अपने सिरो को झुकाए, और सब अपने सिरो को झुकाये, जबकि हम इन पर हाथ रखते हैं।

प्रिय परमेश्वर, यह पुरुषों का एक झुंड है और मैं अपने हाथ प्रत्येक पर रखता हूं, परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के नाम में। और होने पाए आप जो इन्हें सेवक कहते हैं ताकि वे इसे प्रचार कर सके, प्रभु, अपने जीवन के सारे पलों में। और... ?... और हर प्राणी को सुसमाचार प्रचार करें हम इन्हें संगति का दाहिना हाथ देते हैं और प्रार्थना करते हैं कि आपकी आशीषें इन पर हो प्रभु, जैसे कि हम उन को आशीषित करते हैं अपनी आशीषे भेजते है। होने पाए यह पृथ्वी को हर दरार में जाए जिसके जाने के लिए आपने इन्हें बुलाया है। होने पाए ये अपनी क्षमता से कार्य और सेवा करें जिसके लिए आपने इन्हें बुलाया है। होने पाए ये बहादुर और मसीह के सच्चे दास हो। प्रभु, इसे प्रदान करें। और हम इसे मसीह यीशु के नाम में मांगते हैं।

58 परमेश्वर प्रत्येक भाइयों को आशीषित करें। परमेश्वर आपको आशीष दे। भाइयों परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे भाई हिउमस। प्रभु आप में हर एक के साथ हो।

वह बंधन जो बांधता है धन्य हो
हमारे हृदय मसीही प्रेम में;
एक से विचारों की संगति
उस ऊपर वाले के समान

59 क्या वह शानदार नहीं? अब जरा सोचें कितने सेवकगण आज रात्रि यहाँ है, जिनके ऊपर हाथ रखे गए!

60 मुझे मालूम नहीं था कि हम टेलीफोन की सेवा में थे। यदि वे बाहर के लोग मुझे इसके लिए क्षमा करें, मुझे यह मालूम नहीं था; मुझे मालूम नहीं था। समझे? कि वे इस छोटे संदेश को आज रात्रि टेलीफोन संचार पर डालेंगे। परंतु हम...

61 अब हम वचन को पढेगे और प्रार्थना करेंगे और सीधे–सीधे संदेश में जायेंगे, जो मैं अनुभव करता हूं कि पवित्र आत्मा आपके लिए आज रात्रि देगा।

62 और जब कि हम यह निकाल रहे हैं... अपने मूल पाठ के लिए जिस की घोषणा मैं कुछ क्षण में करूंगा, आइए गिनती को निकाले 22 वा अध्याय 31 पद। गिनती 22:31 मूल पाठ के लिए। जब कि आप निकाल रहे हैं, यदि आप पढ़ना चाहते, पढे या निशान लगा ले।

63 मैं चाहता हूं आप सब मुझे याद रखें, जब तक मैं आपको फिर से ना देखू, मैं आशा करता हूं, इन गर्मीयों में किसी समय यदि प्रभु चाहे। कुछ घटित होता है, मैं विदेश नहीं जाता हूं, तो मैं वापस आऊंगा। परंतु अब हम विश्वास कर रहे हैं कि यह सब आस–पास कैसे कार्य करता है की पवित्र आत्मा अब हमें भेजने जा रहे हैं रहा है, उस मार्ग पर जो उसने स्वयं हमें भेजने को चुना है, और हम यह इसी प्रकार करना चाहते हैं। धन्य है प्रभु!

64 पिता, हम आपका वचन पढ़ने को है। क्या आप इसे अशिक्षित करेंगे और हमारी समझ के लिए अभिषेक देंगे, हम यह यीशु मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

65 गिनती की पुस्तक 22वा अध्याय और 31वा पद।

तब यहोवा ने बिलाम की आंखें खोली, और उसको यहोवा का दूत हाथ में नंगी तलवार लिये हुए मार्ग में खड़ा दिखाई पड़ा; तब वह झुक गया और मुंह के बल गिरके दंडवत की।

66 अब इसके पढ़े जाने और इसके चारों विषय बनाने में इस विषय को लेना चाहता हूं: "*क्या परमेश्वर कभी अपना विचार अपने वचन के विषय में बदलता है?*"

67 यह एक अच्छा विषय है और यह एक महान सत्य है जिसे हमें समझना चाहिए क्या परमेश्वर कुछ कह कर और फिर कहे, "मुझे खेद है कि मैंने यह कहा"? क्या परमेश्वर अपना वचन वापस ले सकता है, अपने यह कहने के पश्चात?

68 अब यहां इस कथन में; कारण जो मैंने यह कथन चुना क्योंकि यह कथन बाईबल का है कि एक पढ़ने वाला देखने का यत्न करता था, कहने का यत्न करता कि क्या परमेश्वर अपना विचार बदलता है, यह बाइबिल में किसी भी स्थान से अधिक; यह प्रतीत होता है कि उसने अपना विचार बदल दिया, मैं जानता हूं, क्योंकि उसने बालाम से एक बात कही और फिर उसे दूसरी बात कही। और अब बहुत से लोग बालाम को एक भविष्य बताने वाला या कुछ बनाना चाहते हैं। परंतु बालाम भविष्य बताने वाला नहीं था, वह प्रभु का भविष्यवक्ता था।

69 अब हम एक प्रकार से पहले संदेश की रूपरेखा लेंगे इस्राइली अपनी यात्रा पर था फ़िलि... फिलिस्तीन जा रहे थे मिस्र से आ रहे थे। और प्रभु उसके साथ था और वे... हर शत्रु जो इस्राइली के सामने उठा उनके सामने से हट गया क्योंकि परमेश्वर ने कहा वह उनके आगे भिड को भेजेगा और शत्रुओं को भगा देंगे भगा देंगे जब तक वे उसकी आज्ञा का पालन करेंगे। कार्य कभी भी बड़ा नहीं था। अमालेकी, उस समय के बड़े लोग इस्राइली के लिए कोई अर्थ नहीं रखते थे यद्यपि वे कद काठी में छोटे थे, परंतु वे यहोवा यों कहता है में चल रहे थे इसलिए कोई अर्थ नहीं विरोध क्या था, परमेश्वर ने सदा अपने प्रतिज्ञा के वचन को देखा और इस्राइली कभी असफल नहीं हुआ।

70 पुराने नियम का इस्राइली नये नियम की दुल्हन की प्रतिछाया है, संसार से निकल कर बाहर आ रहे हैं, कनान के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं, कि हम सहस्त्र शताब्दी में जा रहे हैं।

71 अब, हम यहां ध्यान देते हैं मोआब कलीसिया का प्रतीक है, और मोआब... उन्होंने कुछ राजाओं को मारा था और शत्रुओं को हराया था, हर चीज मार डाली, और राष्ट्र पर कब्जा किया और मोआब से हिल गए।

अब मोआब किसी भी प्रकार से मूर्तिपूजक राष्ट्र नहीं था, मोआब उसी परमेश्वर की सेवा की जिसकी इस्राइली ने सेवा की। और मोआब राष्ट्र मूल रूप से लूत के पुत्र से आरंभ हुआ, उसकी अपनी पुत्री के द्वारा और वह इस राष्ट्र को बनाने वाला हुआ, और उसने अपने यश को संस्थागत किया और आदि–आदि, और इसमें से एक महान राष्ट्र बना और बढे और आगे बढ़ते रहे।

72 और, अब इस्राइली अब्राहम का वंश था ना कि लूत का इस्राइली इसहाक, याकूब से आया और इस्राइली याकूब के बारह गोत्रों से निकाला, जो कि बाद में "इस्राइली" कहलाया क्योंकि उसने प्रभु के संग युद्ध किया। और यहां मोआब...

73 और अब इसमें और आप लोग जो टेलीफोन प्रणाली पर है। मैं पहले यह कहना चाहता हूं मैं आलोचना वाला नहीं होना चाहता मैं आशा करता हूं कि मैं नहीं हूं। परंतु वह संदेश जो मुझे दिया गया है मुझे उस संदेश के प्रति ईमानदार होना ही चाहिए था फिर मैं ढोंगी होऊंगा। देखिए? मैं उससे अधिक नहीं कह सकता जो मुझे कहने के लिए भेजा गया है।

और मैं—मैं सोचता हूं कि मसीही समाज का बड़ा शत्रु आज संस्थागत कलीसियाये है। मैं अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करता हूं, और अंत में यह पशु की छाप में बदल जाएगा, जो कि मैं सोच सकता हूं, मैं परमेश्वर की सहायता से बाईबल से सिद्ध कर सकता हूं। मैं इसे पहले ही कर चुका हूं। कि यह पशु की छाप का रूप लेगा कलीसिया के संग में, क्योंकि परमेश्वर ने कभी भी किसी समय संस्थागत कलीसिया को मान्यता नहीं दी, कभी नहीं। उसने यह कभी नहीं किया।

और हर बार मनुष्य ने संस्था बनाई तो परमेश्वर का आत्मा इसे छोड़कर चला गया और फिर कभी भी वापस नहीं आया किसी भी इतिहासकार से पूछें या आप स्वयं पढ़ सकते हैं। कभी नहीं! जब वे संस्थागत हुए तो परमेश्वर ने उन्हें तख्ते में रख दिया और यही यह गया, और इसके आगे यह रुक गया। वे गिनती में बढ़ गए, परंतु आत्मा में कभी भी नहीं जागे; कभी नहीं, और नहीं।

74 यहां मोआब, ऐसा ही प्रतीक है क्योंकि वह संस्थागत हो गए थे एक संस्थागत राष्ट्र अपने ही राष्ट्र में जैसे अपने नामधारी में। और वहां उनका अपना ही धर्म था, वैसा ही धर्म जो इस्राइली का था। वे मोआबी थे, और

उन्होंने यहोवा परमेश्वर का विश्वास किया, परंतु वे एक संस्थागत लोगों का झुंड थे।

75 और, अब, जैसे वे स्वाभाविक कलीसिया का प्रतिनिधित्व करते हैं इस्राइली यात्रा में आत्मिक कलीसिया का प्रतिनिधित्व करता है और इस्राइली संस्थागत राष्ट्र नहीं था जब तक वे परमेश्वर का अनुकरण करते रहे वे स्वतंत्र थे। वे आए, परदेसी हुए, जाने के लिए कोई स्थान नहीं अग्नि स्तंभ जहां गया वे उसके साथ गए। वे संस्थागत राष्ट्र नहीं थे। उनके मध्य में एक व्यवस्था थी क्योंकि खतने की व्यवस्था उन्हे दी गयी, परमेश्वर की उस आज्ञा के द्वारा, परंतु कभी भी संस्थागत राष्ट्र नहीं इस समय। जब अंत में वे संस्थागत राष्ट्र हो गए, वहीं उनकी गिरावट हुई, और अपने मसीहा को अस्वीकार किया।

76 और अब हम सदा यह पाते हैं, कि जब ये स्वाभाविक और आत्मिक कलीसिया की आत्माएं और संस्थाये मिलती है, तो वहां सदा टकराव है यह ऐसा ना हो यह कभी नहीं हुआ। सदा टकराव हुआ। क्योंकि हम पाते हैं कि वहां द्वेष होता है और द्वेष में यह शारीरिक तुलना और नकल का कारण होता है। और आज हम यह पाते हैं जैसा यहाँ तक था जब परमेश्वर किसी के साथ व्यक्तिगत कुछ करता है तो हर एक उसकी नकल करने का यत्न करता है जो परमेश्वर ने उस व्यक्ति के साथ किया। देखिए, यह प्रतियोगिता का कारण है, और इसे शारीरिक बनाता है और तब यदि वे उस और, आत्मिक परिणाम या नहीं सकते, तब वे इसे राजनीतिक ताकत के द्वारा लेते हैं, या वे कोई विकल्प कुछ, कि लोगों के मस्तिष्क को विचलित करते और अपने पीछे चेलों को खींचते हैं।

77 हर एक आरंभ में ऐसा ही घटित होता है जैसे कैन और हाबिल दोनों लड़के यहां पृथ्वी पर थे। और जब हाबिल ने परमेश्वर को कैन से अधिक अच्छा बलिदान चढ़ाया और परमेश्वर ने हाबिल को प्रमाणित किया, नीचे आकर उसके बलिदान को स्वीकारा; यह कैन के लिए द्वेष का कारण हुआ, क्योंकि वह अपने भाई से द्वेष करता था, और अपने भाई को घात किया।

78 यह शुरू में आरंभ हुआ कि जब स्वाभाविक और आत्मिक यद्यपि कैन और हाबिल ने एक ही परमेश्वर की आराधना कर उन दोनों ने एक ही प्रकार की वेदियाँ बनाई और दोनों ने एक ही परमेश्वर की आराधना की एक ही कलीसिया एक ही वेदी। परंतु कैन शारीरिक कारण भूमि के फल

लेकर आया और वेदी पर बलिदान के समान रख दिया सोचते हुए कि यह छुटकारे के लिए परमेश्वर को उत्तर देगा। इसलिए उसे ऐसा ही लाना चाहिए जैसा आज लोग सोचते हैं, "सेब जो आदम और हवा ने खाया, और पाप का कारण हुआ।" और जो भी है, अब मैं सोचता हूं वे अब "अनार" पर आ गए है। अधिक समय नहीं हुआ, उनमें से कुछ ने कहा, यह कुछ और था।

79 और, परंतु, हाबिल का बलिदान ठीक था। वह जान गया था कि यह लोहू था, जिससे यह हुआ इसलिए वह मेमना लाया। और जब परमेश्वर ने उसका स्वीकारा, अब हाबिल ने विश्वास से प्रकाशन के द्वारा कोई और मार्ग नहीं कोई लिखी हुई बाईबल नहीं थी। इसलिए आप देखिए धार्मिकता का आरंभ परमेश्वर का प्रगट हुआ सत्य है और सारी परमेश्वर के जीवित कलीसिया इसी पर बनी है।

80 यीशु एक दिन पहाड़ से उतर रहा था अपने चेलों से कहा, "मनुष्य के पुत्र को लोग क्या कहते हैं? "

"एक ने कहा तू 'मूसा' है, दूसरे ने कहा तू 'एलियाह' है और तू 'यर्मयाह' है या कोई भविष्यवक्ताओं में से एक।' "

उसने कहा, "परंतु तुम मुझे क्या कहते हो? "

81 यही जब प्रेरित पतरस परमेश्वर से प्रेरित आत्मा के द्वारा जिलाया हुआ जोरदार बयान दिया, "तू मसीह है, जीवित परमेश्वर का पुत्र।"

82 बयान पर ध्यान दें, "धन्य है तू शमौन, योना के पुत्र, मांस और लोहू ने तुझ पर यह प्रगट नहीं किया। मेरे स्वर्गीय पिता ने यह तुझ पर प्रकट किया है। तू शमौन है, इस पत्थर पर... "

क्या पत्थर? अब कैथोलिक कहते हैं, "पतरस पर, पत्थर छोटा पत्थर।" और प्रोटेस्टेंट कहते हैं, "मसीह पर, पत्थर।"

भिन्न होने को नहीं; परंतु यह प्रकाशन पर था जो पतरस के पास था, कि वह कौन था, "मेरे पास कोई मनुष्य नहीं आ सकता," यीशु ने कहा, "सिवाये कि मेरा पिता उसे खींच ले। और सब जो पिता ने मुझे दिया है, और मेरे पास आएगा।"

"तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र।"

83 "धन्य है तू, शमौन योना के पुत्र मांस और लोहू ने यह प्रगट नहीं किया, परंतु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है। इस पत्थर पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल नहीं हो सकते।" परमेश्वर का प्रगट किया हुआ, आत्मिक वचन!

84 ध्यान दें, हाबिल ने परमेश्वर पर विश्वास से और अच्छा बलिदान चढ़ाया, और शारीरिक विश्वासी ने सोचा कि यह तो उसके अपने हाथों का कार्य था कि उसके फल और उसकी सुंदर भेंट जो वह लाया, उसे परमेश्वर मान्यता देगा और यह टकराव हुआ।

हम पाते हैं, अब्राहम और लूत को टकराना था।

85 हम पाते हैं कि मूसा, और—और दातान और कोराह मैं यही टकराव था।

मूसा, प्रभु के वचन से अभिषिक भविष्यवक्ता यह प्रमाणित हुआ कि उस समय के लिए वह उनके लिए चुना हुआ अगुवा था, और यह की अब्राहम से इन सारी बातों की प्रतिज्ञा थी, और यहां मूसा में ठीक वही किया, जो परमेश्वर कहा कि यह होगा, वही हुआ।

और कोराह, शारीरिक होने के नाते उनके मध्य में एक संस्था खड़ी करना चाहता था, वह कुछ लोगों का झुंड बनाना चाहता था। और परमेश्वर इस प्रकार के लोगों से व्यवहार नहीं करता। यह इस वचन में सीधा सीधा दिख पड़ता है, आज की यात्रा की एक प्रति छाया जिसे परमेश्वर अभिषिक करें वह संस्था नहीं है। क्योंकि जैसे ही कोरह ने यह किया, उसने मूसा से कहा, "तुम अपने ऊपर बहुत कुछ लेते हो।" दूसरे शब्दों में, "सारी मंडली पवित्र है! तुम कहते हो कि केवल तुम ही पवित्र हो। तुम्हारा ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं। तुम अपने आप को बड़ा बनाना चाहते हो। हम पवित्र है। हम सब परमेश्वर के बालक हैं।"

86 और बस मूसा ने अपना मुंह फेरा और चला गया। उसने कहा, "प्रभु मैं क्या करूंगा? "

87 परमेश्वर ने कहा, "अपने आप को अलग कर अब यह अति हो गया मेरे संग।" और वह उसे भूमि में निगल गया।

88 देखिए, वहां एक टकराव था, जब शारीरिक और आत्मिक मिलते हैं, वहां सदा टकराव होता है जब यहूदा और यीशु मिले वहां टकराव था, एक,

परमेश्वर का पुत्र, दूसरा वाला, शैतान का पुत्र। जैसे कैन और हाबिल, जब वे मिले तो उनमें टकराव हुआ, उनमे से एक कलीसिया का खजांची और दूसरा एक पास्टर। और अब हम इस दिन में आते हैं, फिर उसी चीज पर शारीरिक नामधारी मसीह की आत्मिक दुल्हन से मसीह की आत्मिक दुल्हन उस शारीरिक संस्थाओं से इतनी भिन्न थी, यहां तक कि उनमें कोई तुलना नहीं।

89 अब ध्यान दें, शारीरिक सदा आत्मिक का प्रतिरूप बनने का यत्न करता है परंतु जैसा याकूब और ऐसाव में, यह कार्य नहीं करेगा। यह नहीं चलेगा। अब, जब यह अच्छे कार्य करने पर बात आती है मैं—मैं विश्वास करता हूं वास्तव में ऐसाव याकूब से अधिक भला व्यक्ति है मनुष्य की दृष्टि में उसने अपने पिता की देखभाल की चिंता की; वह अच्छा था, वह एक भविष्यवक्ता था। और यह सारी चीजें जो उसने करने का यत्न किया परंतु फिर भी ऐसाव में शारीरिक कार्य करने के विषय में नहीं सोचा उसने सोचा, वह अपने किए उसके द्वारा भीतर जा सकता है किसी के लिए कुछ अच्छा करो, जो कि ठीक है। परंतु याकूब, वह अपने पूरे प्राण से उस जन्मसिद्ध अधिकार को पाले, और यही परमेश्वर ने उसमें आत्मिक मान्यता देखी।

90 ध्यान दें, और सदा यही कारण रहा की शारीरिक आत्मिक से घृणा करे, यही कारण था कि कैन ने हाबिल से घृणा की, कोरह ने मूसा से घृणा का, यही कारण। यही यहूदा का यीशु घृणा का कारण। और यह और आगे चलता है, यही कारण है कि शारीरिक आत्मिक से घृणा करता है, ठीक जैसे आरंभ में कैन ने हाबिल से घृणा की, एक वह जिसका बलिदान परमेश्वर ने स्वीकार किया, और उसे घात करने का यत्न किया।

यहां तक कि उसके प्रभाव को नष्ट करने का यत्न किया। उन्होंने हर चीज नष्ट करने का यत्न किया, क्योंकि यह और कुछ नहीं केवल द्वेष था। यह कैन में आरंभ हुआ और सिद्ध हुआ कि यह द्वेष था और आज अब भी यही बात है जब स्वाभाविक (शारीरिक) और आत्मिक एक दूसरे से मिलते हैं। यह, यह सिद्ध करता है कि यह शैतान है, कोई और मार्ग नहीं क्योंकि द्वेष शैतान की ओर से आता है और फिर सच्चाई की नकल का कारण बनता है, कोई किसी की नकल का यत्न करता है, जो कि नहीं है, वे इसे करने के लिए अभिषिक नहीं है। इन अंत के दिनों में यह कितना दिखाई पड़ता है! ओह, यह कितना है!

91 इसलिए कि हम देखते हैं कि परमेश्वर... अपने मूल वचन के प्रति सदा अपना विचार नहीं बदलता। परंतु, जिसको वह बुलाता है, उसी को वह अभिषिक करता है। कोई भी स्थान को नहीं ले सकता। कोई भी मूसा का स्थान नहीं ले सकता। कोई मतलब नहीं कितने भी कोरह खड़े हो जाए और कितने भी दातान यह मूसा था जिसे परमेश्वर ने बुलाया, अनपेक्ष।

92 परंतु, और यदि लोग उसकी सिद्ध इच्छा पर ना चले, तो उसकी अनुमति बोधक इच्छा है, वह उसमें आपको चलने देगा। ध्यान दें, वह इसकी अनुमति देता है, ठीक है, परंतु वह इसे अपनी महिमा के लिए करेगा अपनी सिद्ध इच्छा में। अब यदि आप चाहें...

93 जैसे कि आरंभ में, परमेश्वर की सिद्ध इच्छा नहीं थी कि बालक इस पृथ्वी पर काम प्रवृत्ति के द्वारा जन्मे। नहीं श्रीमान। परमेश्वर ने मनुष्य को पृथ्वी की मिट्टी से रचा उसके अंदर जीवन का श्वास फूंका और वह जीवित प्राणी हो गया और उसने उस मनुष्य में से एक सहायक बनाया, और उसके लिए पत्नी बनायी। यह परमेश्वर की पहली और मूल इच्छा थी। परंतु जब पाप भीतर आया और वह किया जो किया तब परमेश्वर ने अनुमति दी, कि पत्नी से विवाह करें, वैज्ञानिक, और उसके द्वारा बालक जन्माये। "फुले–फले और बढे, यदि आप इस प्रकार से करने जा रहे हैं।" परंतु, आप देखिए, यह कभी भी उसकी सिद्ध इच्छा नहीं थी।

94 इसलिए सारी वह चीजें जिनका आरंभ है उसका अंत है सारा पाप नष्ट होना ही है सारा पाप समाप्त होना ही है। इसलिए महान सहस्त्रशताब्दी में जब पुनरुत्थान आता है, हमें फिर से जन्म ना लेना होगा, आप पिताओं के द्वारा और माताओं के, परंतु जैसे परमेश्वर ने आरंभ में किया, मनुष्य को पृथ्वी की मिट्टी में से बुलाया, और उसकी सहायक उसके साथ। यह ठीक बात है। इसी कारण उसने यह आरंभ में किया।

95 इसलिए परमेश्वर ने अपना विचार किसी चीज के लिए नहीं बदला, परंतु वह आप को अनुमति देता है कि आप बढ़ते जायें। अब यह बहुत लंबा है कि वह बताऊ कि इस विषय में क्या कहना चाह रहा हूं। परंतु, और परंतु, ये आप... मैं चाहता हूं कि आप इसे समझ जाए। समझे? परमेश्वर आप को अनुमति देगा कि आप कुछ करें और यहां तक कि उसमें आप को आशीषित भी करेगा, परंतु अब भी यह उसकी सिद्ध इच्छा नहीं है।

96 निर्गमन 19 वें अध्याय में परमेश्वर ने इस्राइली को व्यवस्था लेने की अनुमति दी, जबकि अनुग्रह ने उन्हें पहले ही एक नबी दिया था, अग्नि स्तंभ, एक बली किया हुआ मेम्ना, मैंने एक छुटकारे की सामर्थ, परंतु वे एक व्यवस्था के लिए चिल्लाए। यह परमेश्वर की इच्छा नहीं थी, परंतु क्योंकि मनुष्य यह चाहता था इसलिए यह डाली गई। और जिस व्यवस्था को वे चाहते थे, उसी के द्वारा वे श्रापित ठहरे।

97 परमेश्वर की इच्छा यह सबसे अच्छा है। यही जो उसने हमें सिखाया। "तेरी इच्छा पूरी हो। तेरा राज्य आए। तेरी इच्छा पूरी हो।" हमें स्वयं को उसकी इच्छा के लिए समर्पित होना चाहिए उसके वचन। इस पर प्रश्न ना करें। इसका विश्वास करें। कोई और मार्ग ढूंढने का यत्न ना करें। वैसा ही है जैसा यह है।

कुछ लोग इधर–उधर घूमते हैं कि कोई और मार्ग मिले। और जब आप करते हैं, तो आप पाते हैं कि आप बढ़ रहे हैं आप पाते हैं परमेश्वर आपको आशीषित कर रहा है, परंतु आप उसकी अनुमति बोधक इच्छा में कार्य कर रहे हैं ना कि सिद्ध इच्छा में, दिव्य इच्छा में।

98 जैसा मैंने कहा वह इसकी अनुमति देता है, परंतु वह नही—नही करेगा; परंतु वह इसे अपनी इच्छा नहीं बनाएगा, परंतु सम्मान के लिए इसे कार्य करने देगा और सिद्ध इच्छा को आशीषित करेगा, काम इच्छा द्वारा संतान उत्पत्ति करना, उसमें से एक है

99 अब ध्यान दे, मोआब आरंभ से ही एक अवैद्य राष्ट्र था, यह अवैध रूप में आरंभ हुआ, फिर भी एक—एक पिता के द्वारा विश्वासी और एक पुत्री विश्वासी।

ठीक वैसे, यदि आप इसका प्रतीक लेंगे, और आत्मिक विचार आप इसे देख सकते हैं कि नामधारी वहां खड़ा है बिल्कुल स्पष्ट जितना कि कुछ भी हो। निश्चय ही, देखिए, सारी चीज कुल मिलाकर गलत है। और देखिए जब यह लाया गया इस प्रकार आरंभ हुआ, यह कभी नहीं सकता... यह बनाए रखता है जैसे बर्फ की गेंद यह अधिक और अधिक लुढ़कती रहती है। आप एक गलती को लेते और उस पर आरंभ होते और आप एक से दूसरी चीज पर बढ़ते जाते हैं एक चीज दूसरे के समान, एक के, बाद सब।

100 और इसी प्रकार से कलीसिया आरंभ हुई। इसी प्रकार से यह निसिया रोम में आरंभ हुई, जब रोमन कैथोलिक कलीसिया... बिल्कुल आरंभ में,

जहां से यह आयी वह पेंटीकोस्ट था। परंतु जब वे संस्थागत हुए और कलीसिया के मनाने में आए, उन्होंने प्रार्थनायें बनानी आरंभ कर दी और माला जपना और मरे हुओ के लिए प्रार्थना। और वे सारी दूसरी चीज और फिर यह बढ़ना आरंभ हो गया एक गलती से दूसरी गलती, एक गलती से दूसरी, देखिए जब तक वे यहां तक नहीं चले गए, इसमें पेंटिकोस्टल का कोई प्रतिनिधित्व नहीं। समझे? एक गलती दूसरी को लेती है, दूसरी को लेती है करने के लिये, केवल एक ही चीज है कि अभिलेख के साफ कर दिया जाए और फिर से आरंभ में जाए।

101 जब मार्टिन लूथर न्यायोचितता के साथ आरंभ हुआ इसे आगे बढ़ना चाहिए था, लूथर कलीसिया को। समझे? यदि... जब लूथर संस्थागत हुए, वे वैसली, का पवित्रीकरण ना ले सके, क्योंकि वह संस्थागत थे; और मनुष्य इसका पक्ष नहीं लेंगे, इसलिए आत्मा इस से बाहर निकल गया।

102 अब लूत का झुंड यहां पर है या मोआब लूत की पुत्री का बालक था, आरंभ से ही अवैध। अब ध्यान दें, जैसे शारीरिक, मोआब, शारीरिक नामधारी का प्रतिनिधित्व करता है।

इस्राइली आत्मिक कलीसिया को दर्शाता है, इस्राइली वहां एक सच्ची कलीसिया थी, उस दिन की दुल्हन थी, मिस्त्र से बाहर बुलाई गयी, और सच्ची प्रमाणित की गयी।

103 ध्यान दें, जब वे, वे दोनों पास पास आते हैं दोनों ने एक ही बलिदान चढ़ाया, दोनों ने बनाया, सात वेदिया देखी दोनों ने शुद्ध बलिदान चढ़ाया, बैल। यहां तक कि दोनों ने मेंढे चढाये, गवाही दी की मसीह आने वाला था। मूल रूप में वे दोनों ठीक एक से थे, इस्राइली नीचे घाटी में थे, मोआब ऊपर पहाड़ पर और मोआब सात वेदीयों के साथ; इस्राइली सात वेदीयो के साथ। मोआब सात मेंढो के संग, मसीह के आगमन को दिखा रहा है; इस्राइली सात मेंढो के साथ।

उन में क्या भिन्नता थी? मूल रूप में दोनों सही थे, परंतु आप देखते हैं, मोआब के पास इस बात का प्रमाण नहीं था कि परमेश्वर उनके संग है; वे केवल एक राष्ट्र है, एक विख्यात झुंड। परंतु इस्राइली के साथ उनका भविष्यवक्ता था उनके पास मारी हुयी चट्टान उनके साथ। उनके पास अग्निस्तम्भ था, चंगाई के लिए उनके पास पीतल का सांप था, परमेश्वर

की आशीषे, उसके साथ–साथ चल रही थी, और वे परमेश्वर के बुलाये हुये लोग थे।

104 अब हम उनमें आज की कलीसियाओं का सिद्ध प्रतिरूप उनमें देखते हैं जैसे कि मोआब ऐसा नहीं था। इस्राइली परदेसी था, एक जगह से दूसरी जगह; जहां कहीं वह अग्नि स्तंभ जाता था वे उसके संग गये। मोआब, ऐसा नहीं था; वे अपने नामधारी में बस गये थे, अपने ही राष्ट्र में। वे नहीं हिले, वे ठीक वही रहे। उनके अपने प्रसिद्ध लोग थे। और उन्होंने बहुत चीजों को अभिषेक किया जैसा उन्हे करना चाहिए था और उनके अपने योद्धा, उनके अपने लड़ाकू, उनके अपने राजा, जिनसे वे आज्ञाये पाते, और आदि–आदि।

105 परंतु मोआब ने देखा कि इस्राइली के पास कुछ है जो उनके पास नहीं है। उन्होंने इस्राइली के बीच जोरदार सामर्थ देखी और वह एक भविष्यवक्ता था। और वह भविष्यवक्ता मूसा था। और वे जान गये कि जब युद्ध में गड़बड़ी हुयी, उन्होंने बस उसके हाथ उठाये और उन्हे ऊपर थामे रखा और युद्ध बदल गया इसलिए उनके पास ऐसा नहीं था जैसा कि यह। इसलिये उन्होंने इसकी तुलना राजनीति से करी राजनीतिक खेचतान से उन्होंने दूसरे देश में लोग भेजें और एक भविष्यवक्ता किराए पर लिया, ताकि उनके पास भी भविष्यवक्ता हो, और उनके मध्य में सामर्थ हो, जैसे की इस्राइली के मध्य में थी।

106 क्या आप शारीरिक तुलना देख सकते हैं? क्या आप आज संसारिक कलीसिया देख सकते हैं? इसने वही चीजें की।

107 अब ध्यान दे, उन दोनों के पास भविष्यवक्ता होने जा रहे हैं। केवल एक भिन्नता थी, मूसा परमेश्वर का भविष्यवक्ता था उसका राजा परमेश्वर था। वह वहीं से आज्ञाये पाता था, प्रभु का वचन। और बालम वह भी उसका एक राजा था और वह राजा बालाक था मोआब का राजा और उसी से वह अपनी आज्ञाये और अपनी आशीषे पाता था। इसलिए मोआब ने बालाक से कहा, "यहां आ," या बालाम ने कहा, "यहां आ और मेरे लिए इन लोगों को श्राप दे, क्योंकि यह सारी पृथ्वी पर छा गए हैं। वे आये, और बैल के समान सब कुछ चाट गए, जैसे वह घास चाट जाता है," कहा, "अब इधर आ और मैं समझता हूं, तू श्राप दे सकता है, तू आशीष दे सकता है, तू जो भी करता है वह मान्य है।"

108 अब, हम इस पर ध्यान देना चाहते हैं कि यह मनुष्य भविष्यवक्ता परमेश्वर का अभिषेक किया हुआ, परंतु उसने अपना जन्म सिद्ध अधिकार राजनीतिक कारण से बेच दिया। जैसा कि आज कलीसिया ने किया जैसे लूथर. वेसली, पेंटिकोस्टल, और उनका सारा झूंड अपनी संस्था में खेचने के कारण बेच दिया। मूसा परमेश्वर की अधीनता में; बालाम बालाक की अधीनता में। तब भी दोनों भविष्यवक्ता परमेश्वर के बुलाये हुए मनुष्य और दोनों की आत्मिक भिन्नता पर ध्यान दें। दोनों के पास अध्यक्ष थे; मूसा का परमेश्वर था; बालाम का बालाक था।

109 ध्यान दें, कैसे आत्मिक को लागू किया, यह सिद्ध करने के लिए शारीरिक गलत है। मूसा परमेश्वर का भेजा हुआ अपने कर्तव्य पर, उसका सामना और चुनौती परमेश्वर के दूसरे भविष्यवक्ता के द्वारा। क्या आप इसकी कल्पना कर सकते हैं! मूसा परमेश्वर का बुलाया हुआ, परमेश्वर से अभिषिक परमेश्वर के कर्तव्य पालन पर खड़ा हुआ है; इन ठंडे, औपचारिक झुंड में आ गए, और परमेश्वर के दूसरे नबी के द्वारा चुनौती जिसे परमेश्वर ने आशीषित और अभिषिक किया। आप कैसे अंतर बतायेगे? उन दोनों के पास भविष्यवक्ता थे। परमेश्वर ने दोनों भविष्यवक्ताओं से बात की।

110 और उनमें से कुछ कहते हैं, "परमेश्वर ने कहा, '*यह* करो,' परमेश्वर ने कहा, '*वह* करो।'" अब, मैं इस पर प्रश्न नहीं करता परंतु यह परमेश्वर के वचन की रीति से बाहर है। भविष्यवक्ता, कोई मतलब नहीं, यदि वह भविष्यवक्ता है वह पंक्ति से बाहर है। इस प्रकार से बहुत से लोगों ने धोखा खाया। "ओह, *यह* भाई *यह* कर सकता है, और *यह* भाई *यह* कर सकता है," और वचन का इनकार करता है?

111 "यदि मैं मनुष्यो और स्वर्गदूतों की बोली बोलू, यदि मेरे पास वरदान हो कि मैं पहाड़ों को हिला सकता हू, यदि मैं अपना सारा माल कंगालों को खिला दूं, तो भी मैं कुछ नहीं।"

"उस दिन बहुत सारे मेरे पास आयेंगे, और कहेंगे, 'प्रभु, प्रभु, क्या मैंने आपके नाम से भविष्यवाणी नहीं की? क्या मैंने आपके नाम से सामर्थी कार्य और प्रेतआत्माओं को बाहर नहीं निकाला?' मैं उनसे कह दूंगा, 'मुझ से दूर हो जाओ... मुझसे दूर हो जाओ, तुम अधर्म के कार्य करने वालों। मैंने तो तुम्हें कभी नहीं जाना ही नहीं।'" यद्यपि, वे इस बात को मान लेने के साथ आये कि उन्होंने यह किया, परंतु यीशु ने कहा, "वे अधर्म के कार्य

करने वाले।" अधर्म क्या है? कुछ ऐसा जो आप जानते हैं, आप को करना चाहिये, यह करना ठीक है, और फिर भी आप नहीं करते। देखिये, अंत के दिनों में क्या होने जा रहा है?

112 पूरी पंक्ति को सुनिये! आज रात्रि मेरे यही उद्देश्य था। मैंने कहा मैं नौ बजे बाहर हो जाऊंगा, परंतु संभव है मैं थोड़ा और देर रुकने वाला हूं। देखिए, यह मेरा उद्देश्य था, कि आपको यह पंक्ति दिखाऊँ, परमेश्वर के वचन के द्वारा यह देखें, परमेश्वर को परमेश्वर बना रहने के लिए अपने वचन को पूरा करना है।

113 अब, हम ध्यान देते हैं यह दोनों आत्मिक मनुष्य है दोनों ही भविष्यवक्ता दोनों बुलाए गए। और मूसा, ठीक अपने कर्तव्य पर ताजा अग्नि स्तंभ हर दिन उसके सामने, परमेश्वर का आत्मा उस पर उस कर्तव्य पर। यहां परमेश्वर का दूसरा दास आता है, परमेश्वर का बुलाया हुआ, परमेश्वर द्वारा अभिषिक एक नबी जिसके पास परमेश्वर का वचन आता है, यहां एक खतरे की रेखा है। यहाँ कोई विवाद नहीं कर सकता कि यह मनुष्य परमेश्वर का जन नहीं परमेश्वर का क्योंकि बाईबल ने कहा परमेश्वर का आत्मा उससे बोला और वह एक नबी था। परंतु आप देखें, जब उसे परमेश्वर से वास्तविक उत्तर मिला वह इसका पालन नहीं करेगा, उसने इस पर ध्यान नहीं दिया तब वह मूसा को चुनौती देने चला गया।

114 अब बालक ने अपने पुरे हृदय से परमेश्वर की इच्छा जानी। अब, जब ये महान पुरुष आये और कहा, "बालाम! बालाक राजा ने भेजा है कि तुम तुरंत आओ और इन इस्त्राईली लोगों को श्राप दो, क्योंकि वे सारी पृथ्वी पर फैल गये हैं, और अब उन्होंने मेरे विरुद्ध डेरे लगाये हैं। और उन्होंने आस–पास के सारे राज्य चट कर दिए, अपने नीचे। और अब हम चाहते हैं, तुम आओ और इन लोगों को श्राप दो, क्योंकि मैं समझता हूं, यदि तू किसी को श्राप दे तो वह श्रापित है।" अब आप देखिए, वह परमेश्वर का जन है। "जिसे तू आशीषीत करे, वह आशीषित हुआ।" वह एक परमेश्वर का दास था।

115 अब बालाम के विचार भविष्यवक्ता होने के नाते, "अब यहां मेरे करने के लिए केवल एक चीज, और यह की परमेश्वर की इच्छा मालूम करो।"

116 यदि वह भविष्यवक्ता होने के लिए बुलाया गया है, तो यह भविष्यवक्ता का कर्तव्य है। पहले, भविष्यवक्ता को क्या करना चाहिए? कि परमेश्वर

की इच्छा को मालूम करें, परमेश्वर का वचन। उसे यह करना ही चाहिए। क्योंकि भविष्यवक्ता होने के नाते परमेश्वर का वचन उसके पास आता है। वे... वे कहते हैं, "भाई आप धर्म विज्ञानी नहीं है।" बाईबल ने ऐसा कभी नहीं कहा कि वचन धर्म विज्ञानी के पास आता है। यही है जो इसमें गड़बड़ करते हैं। वचन परमेश्वर के भविष्यवक्ता के पास आता है।

117 और यहां एक मनुष्य था, जो परमेश्वर का भविष्यवक्ता था और जब उसे किराये पर लिया गया, इसलिये किराये पर की आकर परमेश्वर के और लोगों को श्राप दें, ध्यान दें, वह परमेश्वर की इच्छा को जानने गया। और वह उसकी सिद्ध इच्छा जानना चाहता था और परमेश्वर ने इस मामले में अपनी सिद्ध इच्छा बताएं उसकी सिद्ध इच्छा उसे बताई गई। उसकी इच्छा क्या थी? "तू मत जा!" यह परमेश्वर का पहला वचन था। "तू उनके साथ ना जा। तू मेरे लोगों पर आक्रमण ना कर, मेरे सिद्ध मार्गों पर चल रहे हैं।"

118 आज यह कैसे है, झगड़ा, विवाद, और सब कुछ करना चाहते हैं, जबकि वे देखते हैं कि परमेश्वर का आत्मा आपके मध्य में कार्य कर रहा है। और वे यत्न कर रहे हैं, उन्होंने वर्षों से यत्न किया कि उसे दबा दे। परंतु जितना वे इसे दबाना चाहते हैं, यह उतना ही बढ़ता है, जिसे परमेश्वर ने आशीषित किया। आप श्रापित नहीं कर सकते, आप इसे नहीं कर सकते।

119 इसलिये आप देखिये यह परमेश्वर के लोग हैं। अब वह भविष्यवक्ता यद्यपि वह वहां था और राजा के द्वारा किराये पर लिया गया था और मान्यवरो और आदि–आदि के बीच कार्य किया और परमेश्वर का वचन उसके पास आया उसने परमेश्वर कि इच्छा को खोजा, और परमेश्वर की इच्छा ने उसे उत्तर दिया और कहा, "इन लोगों को श्राप ना दे। मैंने उन्हे आशीषित किया है।"

120 अब इस आकाश के नीचे कोई भी धर्म विज्ञानी नहीं जो इस संदेश जिसको हम प्रचार कर सके परंतु यह परमेश्वर का ठीक वचन अपने ठीक समय पर है। परमेश्वर ने इसे प्रमाणित किया है हर चीज में जो कहा और किया गया उसने इसे यही सिद्ध किया है। अब कोई धर्म विज्ञान कोई बाईबल पढ़ने वाला नहीं, कोई भविष्यवक्ता नहीं इस वचन में देख सकता है, यदि वह भविष्यवक्ता है। वह वही चीज देखेगा। परंतु यदि वह वही नहीं देख सकता, देखता जो दिखाता है कि कुछ गलत है। क्योंकि...

121 आप कहते हैं, "मैं इसका उल्टा ले सकता हूं।" ऐसे ही बालाक और बालाम सके। समझे? परंतु परमेश्वर ने मूसा को प्रमाणित किया।

तो फिर प्रमाण क्या था? परमेश्वर का वचन। और उसने साधारण और स्पष्ट निर्णय परमेश्वर का सुना, "तू मत जा। उसे श्रापित करने का यत्न ना कर जिसको मैंने आशीषित किया। वे मेरे लोग है।"

परंतु आप जानते हैं क्या? बालम ने उन लोगों को पसंद नहीं किया ओह क्या ही... आज संसार में कितने बालाम है! उसने आरंभ से ही उस झुंड को पसंद नहीं किया उसने उस झुंड को आरंभ से ही पसंद नहीं किया।

122 अब, परमेश्वर का स्पष्ट निर्णय लेने के पश्चात की, "तू मत जा।" परंतु आप देखिए बजाये यह करने के यह बिल्कुल वही बात है, जैसे कैन, जैसे कोरह, वह डाह करता था और वह चाहता था, जो भी हो जाने का कारण या बहाना।

123 ध्यान दें, उसके नामधारी का मुख्यालय से जब उसे बुलावा भेजा गया, कहा, "मत विश्वास करो कि मैं जाऊंगा। मत विश्वास करो कि मेरा उन से कुछ लेना देना होगा, मैं उन लोगों से विवाद नहीं करूंगा, क्योंकि परमेश्वर ने मुझे बता दिया है कि वे उसके लोग हैं, मैं यह विश्वास नहीं करता कि मैं जाऊंगा," यदि वह इसी के साथ बना रहता!

परंतु, उनके हृदय के भीतर उसने उन्हे पसंद नहीं किया। समझे? वे उसके झुंड के नहीं थे और कुछ भी जो उसके झुंड के नहीं थे, "वह आरंभ से ही ठीक नहीं था।" समझे? और उसने उन्हें देखा, कहा, "इन लोगों ने कुछ भयंकर किया है, निश्चय ही पवित्र परमेश्वर ऐसे लोगों को श्रापित करेगा। ये लोग, ये अनपढ़ लोग हैं। यह हमारे समान पढ़े–लिखे लोग नहीं है। हम होशियार लोग हैं। ओह, ये परमेश्वर की सेवा करने का दावा करते हैं, परंतु जरा उन्हें देखो, ये क्या है? एक झुंड, गुलामों का एक झुंड, गारा बनाने वाले, जिन्हे मिस्त्रीयों ने निकाल भगाया। क्यों, परमेश्वर ऐसे गंदे लोगों के ऐसे झुंड से कभी व्यवहार नहीं कर सकता!"

124 वह उस भारी हुई चट्टान को देखने में असफल रहा, और उस पीतल के सांप को। वह अग्नि स्तंभ उसने उन्हें शिष्टाचार के दृष्टिकोण से जांचा। वह परमेश्वर की उस उच्च बुलाहट को देखते में असफल रहा। अनुग्रह से चुन लिए जाने के द्वारा वे उस पंक्ति में थे और परमेश्वर के वचन के साथ

और जब उसने उन्हें श्रापित करना चाहा, परमेश्वर ने कहा, "तू ऐसा मत कर। ये मेरे है। इन्हें छोड़ दे। इन्हे मत छु।"

125 अब इसलिए वह पुरुष मुड़ा वापस चला गया। अब उसके नामधारी मुख्यालय पर ध्यान दे, यद्यपि जब वह वापस गया। उन्होंने और प्रभावशाली झुंड भेजें। इस बार उनके कुछ विशिष्ट लोग है, बजाये साधारण लोगों के वे दिव्यता में डॉक्टरी किए हो सकते है, इस बार आये वे बिशप हो सकते हैं या संभव है, राज्य के प्रेसपिटर, क्योंकि वे सारे... उसने अच्छा झुंड भेजा, थोड़ा अधिक प्रभावशाली झुण्ड, कुछ ऐसे जिनकी शिक्षा अधिक अच्छी थी और उसे योजना भली प्रकार से समझ सकते थे, इसे यथोचित बना सकते थे।

126 देखिये, यही जो कैन ने किया; उसने तर्क दिया, यही कोराह ने किया। उसने तर्क दिया।

"हम तर्कों को छोड़ देते हैं।" हम परमेश्वर पर विश्वास करते हैं, कोई मतलब नहीं क्या कोई कहता है। हम परमेश्वर का विश्वास करते हैं। जो परमेश्वर कहता है, हम उस पर तर्क नहीं करते। आप उस पर तर्क नहीं कर सकते। आपको इसे विश्वास से स्वीकार करना है। और कोई भी चीज जो आप जानते हैं आपको और उस पर तर्क नहीं करना होता है। मैं नहीं जानता कि यह कैसे करता है; मैं बस विश्वास करता हूं कि वह करता है। मैं नहीं जानता वह कैसे अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने जा रहा है; परंतु उसने कहा वह इसे करेगा। मैं इसका विश्वास करता हूं। मैं इसे इस आधार पर स्वीकार करता हूं कि यह परमेश्वर का वचन है।

आप कहते है, "भाई, आप इसे इससे नहीं पा सकते।" मैं नहीं जानता कि मैं इससे इसे कैसे पाऊंगा, परंतु उसने कहा, "इसे कहो।"

मुझे याद है मेरे बैपटिस्ट पादरी ने मुझसे कहा, "क्यों, बिली तुम कलीसिया में खंबों को प्रचार करोगे। तुम क्यों सोचते हो कि कोई इस प्रकार की बातें सुनेगा? "

मैंने कहा, "परमेश्वर ने इस प्रकार से कहा है।"

"तुम सातवीं कक्षा की शिक्षा से कैसे यह करने जा रहे हो, राजाओं के लिए प्रार्थना करना, सारे जगत में प्रचार करना? "

127 मैंने कहा, "मुझे नहीं मालूम कि मैं यह कैसे करने जा रहा हूं, परंतु, उसने ऐसा कहा है और मेरे लिए यही बहुत है।" समझे? "उसने ऐसा कहा। मैं नहीं जानता यह कैसे होने जा रहा है।"

उसने कहा, "क्या तुम सोचते हो कि लोग इस महान शिक्षित संसार में जिसके विरोध में तुम खड़े होने जा रहे हो, इस दिव्य चंगाई के विषय में और आदि–आदि, तुम क्या सोचते हो कि वे इसका विश्वास करेंगे? "

128 मैंने कहा, "मुझे यह नहीं जानना कि वे इसका विश्वास करेंगे या नहीं," मैंने कहा, "मेरा कर्तव्य है कि मैं इसे प्रचार करूं। उसने यही मुझसे कहा है। उसने कहा वह मेरे साथ होगा, और उसने मुझे बताया है कि यह क्या करेगा।"

और यह ठीक वैसे ही हुआ जो उसने कहा कि यह करेगा। "पहले, उनके हाथ पकड़ो; यह ऐसा होगा कि तुम उनके गुप्त विचारों को भी जान जाओगे।" और मैंने इस विषय में आपको बताया है, और यह घटित हुआ, उसी प्रकार से। उसने यह कैसे किया? मैं अब भी नहीं जानता कि यह कैसे करना है। यह मेरा कार्य नहीं है कि यह कैसे हुआ; यह बस हो गया।

129 कौन व्याख्या कर सकता है जब परमेश्वर ने एलियाह को बताया, "वहां ऊपर जाकर पहाड़ पर बैठ जा और मैं तुझे खिलाऊंगा। मैंने कौवो को ठहराया है कि तुझे खिलाये"? कौवा कैसे एक रोटी का टुकड़ा और मछली का टुकड़ा पका हुआ भविष्यवक्ता के पास लाता है? यह मैं जो व्याख्या कर सकता हूं उससे बहुत आगे है। मैं नहीं सोचता कि आप भी या कोई भी कर सकता है। परंतु उसने यह किया यह सब आवश्यक था। उसने यह किया, और इसकी यही सच्चाई है।

उसने यह कैसे किया, मैं नहीं जानता, यह मेरा काम नहीं है। परंतु उसने यह किया उसने पृथ्वी को कैसे बनाया मैं नहीं जानता; परंतु उसने यह किया। कैसे उसने अपने पुत्र को भेजा मैं नहीं जानता परंतु उसने किया। वह कैसे मरे हुओं में से जी उठा, मैं नहीं जानता परंतु उसने किया उसने मुझे बचाया मैं नहीं जानता परंतु उसने यह किया। यह ठीक बात है। उसने आपको कैसे बचाया? मैं आपको नहीं बता सकता; परंतु उसने यह किया उसने कैसे मुझे चंगा किया? में नहीं जानता; परन्तु उसने यह किया। उसने प्रतिज्ञा की है कि वह यह करेगा, और वह अपना वचन पूरा करता है।

अब, बालाम को यह जानना चाहिए था, वह इसे भली प्रकार जानता था।

130 ध्यान दे, यह अच्छा प्रभावशाली झुंड आया और क्या अच्छा उनके पास अच्छी भेटे थी। और केवल इतना ही नहीं वे उसे और पैसा दे सकते थे और वे उसे और पैसा दे सकते थे, और उसे एक अच्छा पद दे सकते थे। "अब, एक संस्था में एक साधारण सेवक, हम तुम्हें जिले का संचालक बनायेगे। समझे? यह कि हम तुम्हारे लिए कुछ करेंगे, यदि तुम बस उन लोगों के झुंड को भगा दो और उसे रोक दो।" ओह, उन्होंने उसके सम्मुख बड़े पद का प्रस्ताव दिया। कहा, "जितना अधिक तुम आशीष... " कहा, "तुम जानते हो, मैं तुम्हारी पदोन्नति कर सकता हूं।" देखिए वह अपने वचन कहां से आ रहा है, राष्ट्र के अध्यक्ष से।

131 मूसा अपने वचन कहां से पा रहा है? स्वर्ग के राजा से एक के पास परमेश्वर की प्रतिज्ञा का वचन, "मैं तुम्हें प्रतिज्ञा के देश में ले जाऊंगा और तुम्हारे सामने कोई मनुष्य नहीं खड़ा हो पाएगा। मैं तुम्हारे आगे–आगे भिड़ भेजूंगा और उन्हें सीधे और उल्टे और भगा दूंगा।.और तुम देश को लेने जा रहे हो, मैंने... मैंने यह तुम्हे पहले ही दे दिया है, बढ़ो और इसे ले लो, इस पर कब्जा करो, यह तुम्हारा है।" और अब, देखिये, यही जिससे मूसा सुन रहा था, और यह मनुष्य जब तक कुछ उसके हृदय में नहीं आता, वह देश में और इसलिये वह पुरोहित के अध्यक्ष के पास गया। समझे?

132 ध्यान दे, अच्छा पद। उसने कहा, "तुम जानते हो कि मैं योग्य हू कि तुम्हारी पदोन्नति कर दू? मैं तुम्हारी पदोन्नति अच्छे स्थान पर कर दूंगा। मैं तुम्हारे लिए और करूंगा। मैं तुम्हारी वेतन बढ़ा दूंगा। मैं तुम्हारा वेतन अच्छा कर दूंगा।" और जब उसने इस सब का प्रस्ताव दिया, वह अंधा हो गया।

133 आज संसार में कितने सारे बालाम है, जो कि अच्छे पद के द्वारा है, एक अच्छी कलीसिया, किसी चीज की प्रतिज्ञा! जब मनुष्य की आंख वचन के लिए खुली और परमेश्वर के कार्यों के लिए और वह भला मनुष्य जो प्रभावशाली था, परमेश्वर के दास के सामने आरंभ करेगा और उसके पास एक अच्छी मंडली है। और कुछ समय पश्चात उसके सम्मुख पवित्र आत्मा के बपतिस्मे का प्रस्ताव आता है; यीशु के नाम में उसके बपतिस्मे का प्रस्ताव जो की पवित्र वचन और वचनानुसार केवल बपतिस्मे का एक ही

मार्ग। और जब यह उसके सामने रखा गया, और नामधारी जानते हैं कि यह उनके हाथ से जाने वाला है, जब वह यह आरंभ करता है मैं उसे अच्छे पद का प्रस्ताव देते हैं, और कलीसिया में बदलाव। देखिये, पुराना बालाम फिर से ठीक जैसा यह आरंभ में था।

134 अब वह मनुष्य जो बाईबल पड़ता है वह इसे जब तक वह इसे देख नहीं लेता कि यह सत्य है। वहां कभी भी कोई उपनामों के प्रयोग के द्वारा पिता पुत्र पवित्र आत्मा से बपतिस्मा नहीं हुआ यह कैथोलिक धर्मसार है और बाईबल की शिक्षा नहीं। बाईबल में कभी भी किसी का बपतिस्मा नहीं हुआ था अंतिम चेले की मृत्यु के तीन सौ वर्षों के बाद तक, सिवाये यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा हुआ। यह कैथोलिक कलीसिया ने आरंभ किया, और बाकी सब इसमें आ गए और कोई भी सेवक जो अपने अध्ययन करता पर बैठता है और इसे देखेगा जमता है कि यह सत्य है। परंतु, लोकप्रियता, अपने पद को थामे रहना, लोगों के मध्य में अच्छे विचार, वह समझौता करता है।

"भाई," आप कहते हैं, "परमेश्वर उसे आशीष दे।"

135 निश्चय ही। उनमें से कुछ के पास चंगाई का वरदान है, उनमें से कुछ का महान अभियान है। और यह ठीक उनके सामने साफ़ हो गया, और उन्हें वहीं उत्तर परमेश्वर के वचन से मिला जो आप या कोई और मनुष्य पायेगा। परमेश्वर नहीं बदलता। देखिए मेरा क्या अर्थ है?

136 बालाम, उसने अच्छे पद के लिए सोचा। अब देखिए जब वह अच्छा झुंड वापस आता है, बालाम ठीक... यहां फोन का मूल पाठ लेता है। समझे? उसने कहा... वह अच्छा झुंड वापस आता है उसे कहना चाहिए, "मेरे पास से चले जाओ! मैंने तुम्हें परमेश्वर का वचन बता दिया है। चले जाओ! यह यहोवा यों कहता है।" परंतु, आप देखते हैं, उपहार और अधिक लोकप्रिय होना!

137 ओह, वे इसे कितना पसंद करते हैं! "हम तुम्हें सारे संसार में भेजेंगे। हम तुम्हें एक विशेष जहाज देंगे। हम तुम्हारी सभाओं का खर्च वाहन करेंगे हर कहीं यदि तुम करोगे... " ओह, नहीं ओह। समझे?

हम जानते हैं कि वचन क्या कहता है। हम जानते हैं कि परमेश्वर ने क्या कहा। हम उसी के साथ रहने वाले हैं परमेश्वर की सहायता के द्वारा। समझे? कोई मतलब नहीं किस प्रकार की प्रतिज्ञा है, और आप कितना

भुगतान कर सकते हैं और कितना *यह* या *वह* या *कुछ* और आप कर सकते हैं आप उत्पन्न कर सकते हैं; हम यहोवा यों कहता है चाहते हैं, और उसने क्या कहा *यहां* पहले।

"कलीसिया ने कहा, 'यह दूसरे स्थान पर।'"

हम चाहते हैं कि परमेश्वर ने आरंभ में क्या कहा। "और उसमें कुछ भी मिलाया गया था उसमें से निकाला गया यहां तक कि तुम्हारा नाम जीवन की पुस्तक में से हटा दिया जाएगा; इसमें एक भी शब्द मिलाने से या एक शब्द निकालने से।" हम चाहते कि उसने क्या कहा; ना कि कलीसिया ने क्या कहा, डॉक्टर जोन्स ने क्या कहा, किसी ने क्या कहा। हम यहोवा यों कहता हैं चाहते हैं, वचन ने क्या कहा।

138 अब हम पाते हैं बालाम परमेश्वर का दास। और बहुत से लोग आरंभ हुए और परमेश्वर के ठहराये हुये हैं, और बहुत सी बातों में परमेश्वर का वचन बोलते हैं; परंतु जब सच्चाई का पालन करने की बात आती है, वे यह नहीं करेंगे।

139 अब यहां ध्यान दें, एक परमेश्वर के भविष्यवक्ता के सामान उसे आरंभ से ही ऐसे झुंड के साथ नहीं फसना चाहिए था। उसे उनके साथ नहीं जाना था। परंतु, देखिए लोकप्रियता के लिए उसके विवेक के कारण उसने कहा, "ठीक है, सारी रात रूके, और मैं फिर कोशिश करूंगा।" देखिए, "मैं फिर कोशिश करूंगा"? तुम क्या चाहते हो किसलिए कोशिश?

140 परमेश्वर उसे पहले ही बता चुका कि क्या कहना है। परमेश्वर ने कहा, "उन्हें बता दे कि तू नहीं जा रहा है।" यह उसका वास्तविक वचन है। "मैं नहीं जा रहा हूं। 'और तू ना जा। जिसे मैंने आशीषित किया, तू उसे श्राप ना दे।'" अब ध्यान दें, उस पर कैसे उल्टा आता है, कुछ देर पश्चात। देखा? और हर बार ऐसा ही होगा। जब परमेश्वर कुछ कहता है, तो उसका अर्थ होता है वह इस विषय में अपना विचार नहीं बदलता। वह ठीक अपने वचन के साथ बना रहता है। कोई मतलब नहीं कौन क्या कहता है, वह अपने वचन के साथ बना रहता है।

141 अब बालाम को अधिक अच्छा जानना चाहिए, उसे स्वयं को ऐसी संगति से अलग कर लेना चाहिए था वे सारे अच्छे उपहार और इस राजा की प्रतिज्ञाये कहा, "तुम जानते हो मैं यह कर सकता हूं। मैं बिशप हूं। मैं जो

चाहूं वह कर सकता हूं, मैं तुम्हारी पदोउन्नति कर दूंगा, यदि तुम आओगे और मेरे लिए यह करोगे।"

और परमेश्वर ने उसे बता दिया था, "इसे मत कर।"

142 परंतु फिर भी बालाम ने कहा, "तुम, तुम सारी रात रुको मैं फिर से यत्न करूंगा।"

देखिए, उसके पास वचन था, आपको इस विषय में और तर्क वितर्क नहीं करना है। परमेश्वर ने इसे कर दिया ऐसा कहा। इस प्रकार के झुंड के साथ, वे सदा आप से परमेश्वर की इच्छा के बाहर बात करेंगे, यदि आप उन्हें यह करने देंगे।

143 वहां एक झुंड को भविष्यवक्ता के पास आना था एक बार अय्यूब नाम था, वे उससे बात नहीं कर सके। उसने दर्शन देखा। वह जानता था कि क्या सही है।

बालाम ने दर्शन दे देखा, और तब भी इसके संग बनाना रहा।

144 कोई मतलब नहीं उसकी कलीसिया के झुंड ने कितना कहा, "ओह अय्यूब तुझे *यह* करना चाहिए था, तुझे *वह* करना चाहिए था।" यहां तक कि उसकी पत्नी, उसने कहा, "तू मूर्ख व्यक्ति के समान बात करती है।" समझे? "मैं जानता हूं कि प्रभु ने क्या कहा। मैं जानता हूं कि वह क्या चाहता है, और मैंने वही किया है।" देखिए, वह उसके साथ बना रहा, जो परमेश्वर ने उसे बताया।

145 ध्यान दे, उसने बिना सर पैर का मूल पाठ लिया अपने विवेक के लिए समझे? उसने कहा, "भाई, मैं मालूम कर लूंगा मैं फिर कोशिश करूंगा।" अब, आप यही जहां से आप आए हैं, दूसरे समान पर आज रात्रि हमारे पास। कितने बालाम है, जो बिना आधार के मूल पाठ प्रयोग करते हैं, मती 28:19 का बस अपने विवेक के लिए? कितने मलाकी चार को अपने विवेक के लिए उपयोग करना चाहते हैं कितने लूका 17:30 को अपने विवेक के लिये प्रयोग करना चाहते हैं? कितने इन चीजों को प्रयोग करना चाहते है, फिर भी, "भाई, मैं आपको बताता हूं, मैं—मैं विश्वास करता, वे सब इसमें गड़बडा गए हैं"?

146 और फिर यहां बालाम यह कहने का यत्न कर रहा था, "संभव है परमेश्वर गड़बड़ा गया, मैं फिर से यत्न करूंगा देखिये, देखिये उसने

क्या कहा।" अब वह आपका ह्रदय जानता है। ध्यान दें, बालाम ने यह आधारहीन पाठ लिया अपने विवेक के कारण, क्योंकि वास्तव में, वह उस पैसे को चाहता था वह उस सम्मान को चाहता है। वह यह चाहता था। वह उस कार्य को चाहता था वह इस पद को चाहता था कि दिखाई पड़े, जैसे डॉक्टर *अमुक–अमुक* इसलिए उसने—उसने कहा, "मैं फिर कोशिश करूंगा।"

147 ओह, बालाम का आज रात्रि इस संसार प्रतिज्ञा किये हुए पद लोकप्रियता! ओह, प्रभु! उन्होंने अपने विवेक को इनके द्वारा सुन्न कर लिया है। अपने नामधारी के कारण वे कहते हैं, "यदि आप *यह* करते हैं, तो आप बाहर चले जाये। मैं जानता हूं आप एक भले व्यक्ति हैं, और हम आप से प्रेम करते हैं," और वह एक भला व्यक्ति है, "हम आप से प्रेम करते हैं। परंतु आप यह प्रचार नहीं कर सकते। हमारी—हमारी शिक्षा कहती है आप यह नहीं कर सकते। डॉक्टर *अमुक–अमुक* ने इस प्रकार से कहा है। आपको इसे इसी प्रकार से विश्वास करना होगा, यदि आप हमारे साथ रहते हैं। अब, यदि आप चाहते हैं मैं जानता हूं कि आपका समय कठिन है भाई मैं देखुंगा, यदि मैं आपकी पदोन्नति नहीं कर सका, तो हो सकता है कलीसिया बदल दो।" ओह, तुम बालाम! जब कि आप परमेश्वर की इच्छा जानते हैं, आप वही करें! परमेश्वर अपना विचार बदलने वाला नहीं। नहीं।

148 कुछ वह जो वह अनदेखा कर सकता उस सत्य को उसके अधिकार के लिए। उसने कहा, "मैं—मैं फिर से कोशिश करूंगा।" ध्यान दें बालाम वहां पर है।

149 इसलिए, अब याद रखें जब वह दूसरी रात में आता है, इस महान प्रसिद्ध व्यक्ति के साथ, उसका विवेक पहले ही सुस्त और सुन्न था, परमेश्वर ने उसे जाने दिया, अब परमेश्वर ने कभी अपना विचार नहीं बदला, परंतु उसने अपनी प्रतिज्ञा दे दी। "आगे बढ़ो।" परंतु उसने पाया कि यह कार्य नहीं करेगा।

150 परमेश्वर जानता था कि बालाम के ह्रदय में क्या था। यदापि वह एक भविष्यवक्ता था वह जानता था कि वह उन पवित्र शोर करने वालों से घृणा करता है, और वह केवल... वह—वह उन्हें श्राप देना ही चाहता था, जैसे भी हो। और परमेश्वर ने उसे बता दिया था कि यह ना करें, परंतु वह फिर

भी आया और इसे फिर से करना चाहा, इसलिए परमेश्वर ने उसे जाने दिया। परमेश्वर ने कहा, "आगे बढ़ो।" अब, स्मरण रखो उसने कभी अपना विचार नहीं बदला।

151 ध्यान दें, यह उसकी इच्छा थी कि उन्हें श्राप दें। वे लोग जिन्हें उसने हठधर्मी गिना, वह उन्हे श्राप देना चाहता था। वह एक पद चाहता था। वह उनके संग मूर्ख नहीं बनना चाहता था, इसलिए उसने सोचा यदि वह यह छोटा सा कार्य राजा के लिए कर सके तो उसकी पदोन्नति हो जाएगी। परमेश्वर कभी अपना विचार नहीं बदलता था अपना वचन।

परंतु वह आपको उसके ह्रदय की इच्छा देगा आपके हृदय की। उसने यह प्रतिज्ञा दी है। आप यह जानते हैं? उसने आपको आपके हृदय की इच्छा पूरी करने की प्रतिज्ञा दी है। और होने पाए आपकी इच्छा परमेश्वर का वचन हो आपकी इच्छा। उसकी इच्छा हो! कभी भी आपकी अपनी इच्छा ना हो उसकी इच्छा यदि वह... आप उससे कुछ मांगे, वह आपको नहीं देता कहे, "धन्यवाद प्रभु। आप जानते हैं अच्छा क्या है।"

152 राजा हिजिकिय्याह को ही देखें जब उसने उसके पास भविष्यवक्ता को भेजा, परमेश्वर ने किया, और कहा, "अपने घराने को आज्ञा देनी है, वह दे। तू मरने पर है।"

हिजिकिय्याह ने अपना मुख दीवार की ओर फेरा और जोर–जोर से रोने लगा और कहा, "प्रभु परमेश्वर, मैं—मैं विनती करता हूं कि मेरे लिए विचार कर। मैं तेरे सन्मुख सिद्ध हृदय से चलता रहा। मैं चाहता हूं कि तू मेरे जीवन को पंद्रह वर्ष और बढ़ा दे।"

153 "ठीक है।" परमेश्वर नबी से बोला, कहा, "वापस जा और उसे बता दें कि मैंने उसकी सुन ली।"

और उसने क्या किया? वह सारे राष्ट्र पर कलंक लाया। उसने परमेश्वर के क्रोध को भड़काया जब तक कि उसे मारा डाला नहीं गया। यह ठीक बात है। आप यह जानते हैं। परमेश्वर से पीछे हटा। यह अधिक अच्छा होता, हट जाता, राष्ट्र, राजा, और सब, यदि वह आगे बढ़ जाता और परमेश्वर की पहली बात को अपने लिए लेता।

परंतु यह नबी पर कठोर दृष्टि हुयी, जब नबी को वापस जाना पड़ा और उससे परमेश्वर का वचन बोला, उसके पहले बता दिये जाने के बाद। परंतु परमेश्वर ने कहा, "आगे बढ़ो।" परंतु आप देखिए यह कलंक लाया।

154 बालम ने क्या किया? परमेश्वर की इच्छा जानने के पश्चात फिर भी वह हट करता रहा, जो भी हो, वह यह करने जा रहा है। और इससे क्या हुआ? ध्यान दें, उसने कभी अपना विचार नहीं बदला। वह जानता था कि उसके ह्रदय में क्या था।

155 आप जानते हैं, एक बार थोमा, वह इसका विश्वास ना कर सका नहीं उसने कहा, नहीं मैं इसका विश्वास नहीं कर सकता। यदि मैं अपना हाथ उसकी पसली में डाल सकूं, उसकी हाथों की लकीरों में, मैं तभी विश्वास करूंगा।

उसने कहा, "थोमा, तू यहां आ। समझे? अब अपना हाथ यहां डाल।"

अब, ओह, अब, थोमा ने कहा, "यह मेरा प्रभु और मेरा परमेश्वर है।"

156 कहा, "हां तू ने देखा और अब तू तूने इसका विश्वास किया। उनका बदला कितना महान है, कभी नहीं देखा, और फिर भी विश्वास किया!"

लोग कभी–कभी पवित्र आत्मा को स्वीकार नहीं करेंगे जब तक वे अन्य भाषा ना बोले। निश्चय ही, में अन्य भाषा बोलने में विश्वास करता हूं। वह भला परमेश्वर है; वह आपके ह्रदय की इच्छा देगा, परंतु कोई मतलब नहीं आप कितनी ही भाषाये बोले और उसके वचन कहा इंकार करें, जो भी है आप गलत है। समझे? देखिए, आप भाषाये बोलने पर ना जाये, आप उसके वचन का पालन करने पर जाये। यह पवित्र आत्मा का प्रमाण है, जब आप परमेश्वर के वचन का विश्वास करते हैं। समझे?

157 मैं भाषाये बोलने में विश्वास करता हूं। मैं विश्वास करता हूं कि आप उत्तेजित हो सकते हैं जैसा आज प्रातः मैंने कहा जब तक आप नई भाषा ना बोले। मैंने स्वयं और मैं जानता हूं कि यह सत्य है। मैं जानता हूं कि यह सत्य है। परंतु यह चिन्ह नहीं है, आप, कि आप परमेश्वर के चुने हुए बालक हैं। समझे? नहीं, वास्तव में। उसने कभी नहीं कहा...

"बहुत से मेरे पास आयेगे और कहेंगे, 'प्रभु, क्या मैं आपके नाम से भविष्यवाणी नहीं कि, यह सब महान बातें आपके नाम में नहीं की? ' वह कहेंगे, 'मुझ से दूर हो जाओ, तुम अधर्म के कार्य करने वालों, मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना।' "

158 आप अन्य भाषाओं में बात करते हैं और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेने से इनकार करते हैं? कहीं कुछ गड़बड़ है। हां, सही में;

कोई भी वे बातें कोई भी, वे आज्ञाये परमेश्वर देता। वहां कुछ गड़बड़ है। जरा अपने विवेक में खोजो और देखिए कि बाइबिल में क्या कहा है, मुझे एक भी स्थान पर दिखाइये जहां किसी ने "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" में बपतिस्मा लिया था। समझे? यह वहां नहीं है। परंतु, आप देखिए, कभी–कभी आप अपने विवेक के कारण आप कहते हैं, "भाई... "

आप कहते हैं, "परमेश्वर स्त्रियों से बोलता है, उन्हें कैसे करना चाहिए, छोटे कपड़े आदि ना पहने, परंतु, आप जानते हैं, पास्टर ने कहा है... " इसलिए वे इसे हल्के में लेते हैं।

159 वे जानते है, यहां परमेश्वर ने इस विषय में क्या कहा है। देखा? निश्चिय, परमेश्वर ने ऐसा कहा है।

इसलिये वे—वे—वे यह करना चाहते हैं, जो भी हो वे बहाना खोजने का यत्न करते हैं। "मैं सोचता हूं कि यह अधिक अच्छा है। यह—यह नहीं... हवा नहीं चलती... " जी हां।

परंतु परमेश्वर ने पुरुष के लिए कहा है कि स्त्री से भिन्न पहने, "यदि एक स्त्री, पुरुष वाले कपड़े पहने, यह उसकी दृष्टि में घृणित है।" इसलिए यह ठीक नहीं है, जी हां, और आपको यह नहीं करना चाहिए। नहीं। समझे? इसलिए, यह गलत है।

160 परंतु आप देखिए वे बहाना ढूंढने का यत्न करते हैं कि, "प्रभु ने मुझसे यह करने के लिए कहा है।" मैं नहीं कहता कि नहीं कहा, परंतु, देखिए, यह उसकी सिद्ध इच्छा नहीं है। आप देखे यह क्या करेगा? यह तो सारे झुंड को गंदा करेगा। इसने सारे झुंड को गंदा कर दिया।

161 यहां ध्यान दें, परमेश्वर ने अपना विचार कभी नहीं बदला, अपना वचन। परंतु वह तो अच्छा परमेश्वर है, और वह आपको आपके हृदय की इच्छा को देगा, यदापि वह उसके इच्छा के विरोध में होगा। आप इसका विश्वास करते हैं?

देखिए, परमेश्वर ने मूसा से कहा "तू वहां पर जा, " यह अभिषेक किया हुआ नबी, कहा, "तू वहां नीचे जा और उस चट्टान से बोल।" यह पहले ही मारी जा चुकी है।

162 मूसा वहां अपने क्रोध में गया, लाठी उठायी और बोला, "तुम बलवा करने वालों क्या मैं तुम्हें इस चट्टान में से पानी दूं? " और चट्टान को मारा

पानी नहीं आया उसने फिर से मारा आ गया। यह परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध था, इसने बाईबल की हर योजना को तोड़ दिया, मसीह को दूसरी बार मारा जाना था। समझे? मसीह एक ही बार मारा गया था, इसने सारी योजना को तोड़ दिया परंतु उसने उसे अपनी अनुमति बोधक इच्छा दी। तब, बाद में उसने कहा, "देखो, हमारे पास तुम्हारे लिए पानी है। हां, मैं तुम्हारे लिए लाया तुम बलवा करने वाले झुंड!"

163 परमेश्वर ने कहा, "मूसा यहां आ, मूसा यहां आ यह ऊपर चोटी पर आ जा... तू वफादार सेवक रहा है।" (जैसे ऊंची एड़ी वाली स्त्री, आप चढ़ गए देखा) "वहां सामने देख प्रतिज्ञा के देश को देख? "

"ओ प्रभु!"

"परंतु तू वहां नहीं जा रहा है। तूने मेरी अनुमति बोधक इच्छा ली वहां चट्टान पर, तूने अपनी ही महिमा की, और मेरी नहीं कि तू स्वयं को शुद्ध कर। तूने मुझे पवित्र नहीं किया है। तूने मेरे मूल वचन का पालन नहीं किया, जो मैंने तुझ करने को कहा।" फिर भी, पानी आया।

तुम बीमारो पर हाथ रख सकते हो और चंगे होते हैं तुम भविष्यवाणी या अन्य भाषाये बोल सकते, परंतु बात यह है उसके मूल वचन का पालन करो परमेश्वर अपना विचार नहीं बदलता आपको उसके कार्य अधिकार का पालन करना है, उसकी इच्छा का।

"ओह, अरे यह तो चेलों के लिए है।"

164 वह नहीं बदलता। यदि उसके पास अब भी एक चेला है, तो वही कार्य अधिकार है, "सारे संसार में जाओ, और सुसमाचार प्रचार करो। विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होगे।" यह कभी नहीं बदला। वह इसे नहीं बदल सकता।

अब आप कह सकते हैं, "भाई मैं आपको बताऊं यह आज के दिन के लिए नहीं है।" ओह, तुम बालामी! आप समझे? देखिए, परमेश्वर नहीं बदलता। वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है।

165 आज जरा इन बालाम वादियों को देखो, "ओह, मैं जानता हूं बाइबिल में उन्होंने यीशु के नाम में बपतिस्मा दिया, परंतु सब लोगों को देखो... "

मैं चिंता नहीं करता कि लोगों ने क्या किया है। "स्वर्ग के नीचे मनुष्यो को कोई और दूसरा नाम नहीं दिया गया जिससे कि आप बच सकते हैं।"

"पापों का कोई छुटकारा नहीं केवल यीशु मसीह के नाम में।" क्या और कितने अच्छे हैं, आप क्या करते हैं, इससे इसका कोई मतलब नहीं, यह तो मूल वचन है; आपको इसी पर ही रहना है। वयूह! यह ठीक है।

166 "उसके वचन की आज्ञा पालन बलिदान से बढकर है।" आपको स्मरण है, उस समय जब शाऊल वापस आया।

167 बालाम के पास विश्वास का वरदान था और सिद्धता से प्रयोग कर सकता था, परमेश्वर का वचन।

बहुत से लोग बाहर कार्य क्षेत्र में चंगाई के वरदान के साथ वही चीजें कर सकते हैं। बहुत से लोग यहां बाहर अन्य भाषाओं में बात कर रहे हैं, लोग भविष्यवाणी कर रहे हैं एक वरदान परमेश्वर के राज्य के लिए प्रयोग किया जा सकता है, परंतु वे यह नहीं करते। वे लेते हैं... और परमेश्वर उन्हें आशीषित करता है जो भी है अनुज्ञा लेते हैं। केवल लोकप्रियता के लिए और आनंद व्यक्तिगत लाभ, अपना जन्मसिद्ध अधिक बेच दिया, जैसे ऐसाव ने किया, एक संस्था को बेच दिया, बालाम के समान बेच दिया। समझे?

आज बहुत से वही चीज कर रहे हैं। हम जानते हैं यह सही है। उन्होंने अपना जन्मसिद्ध अधिकार बेच दिया। स्त्रियां पवित्र आत्मा में भविष्यवाणी कर रही है, छोटे कपड़े पहन रही है, प्रचार मंच उन्हें अनुमति दे रहा है, कटे बालों वाली स्त्रियां प्रचार मंच पर है; चेहरों पर रंग, उस धार्मिक लबादे में। कलीसिया में कभी जो सबसे बड़ी ठोकर रही वह है।

168 यदि आप इसे राजनीतिक सामर्थो में जानना चाहते हैं, युग के राज्य में यह क्या समय है, देखिए यहूदी कहां है। ध्यान दें, यहूदी कैसे हैं क्योंकि वे लोग राष्ट्र है। यदि आप जानना चाहते हैं कि राष्ट्र कहां पर है तो यहूदियों पर ध्यान दें।

यदि आप जानना चाहते हैं कि कलीसिया कहां स्थिर है, तो स्त्रियों पर ध्यान दें। स्त्रियों के बीच नैतिकता पर ध्यान दें, क्योंकि वह कलीसिया की प्रतिनिधि है। जब आप स्त्रियों के बीच गंदगी देखते है, तो आप कलीसिया में गंदगी पाते हैं वह क्या हो गयी, एक रंगी हुयी इजाबेल, ठीक वैसे ही कलीसिया हो गयी है। समझे? अब यह सत्य है, और आप यह जानते हैं। समझे? यदि आप जानना चाहते हैं कि कलीसिया कहां पर है, तो अपनी स्त्रियों के बीच में आचरण पर ध्यान दें क्योंकि वह है, कलीसिया स्त्री है।

यदि आप राष्ट्र की स्थिति जानना चाहते हैं, तो यहूदियों पर ध्यान दें।

169 ध्यान दें, जैसा परमेश्वर ने बालाम से कहा, जब उसने सीधा सच्चाई निर्णय सुन लिया था, वचन, "मत जा।" हां तब उसने उसे बताया जब उसने उसके हृदय में देख लिया, यह क्या करना था; उसने उसे अपनी अनुमति बोधक इच्छा दे दी, इसलिए उसने कहा, "जा।"

170 और आप भी वही चीज कर सकते हैं, यदि आप सच्चाई में चलना नहीं चाहते, आप जा कर एक बड़ी सेवकाई पा सकते हैं, निश्चय ही पा सकते हैं। परंतु आप उसकी अनुमति बोधक इच्छा ले रहे हैं। आप उसके वचन को पैरों तले ले रहे हो वह आपको आशीषित करेगा निश्चय ही। वो...

जैसा उसने बालाम के साथ किया। वह एक सफल था, परंतु वह लोगों को श्राप ना दें सका वह यह नहीं कर सका। क्योंकि, हर बार जब उसने श्राप देना आरंभ किया, उसने आशीष दी। देखिए, वह यह नहीं कर सका। परंतु जब वह अपने उद्देश्य में यशवंत होने को हुआ, उसने उन लोगों को सिखाया बालक के द्वारा की व्यभिचार करें। वह इस्राइली के झुंड में लाया और उनका विवाह कर दिया कहा, "क्यों, हम सब एक हैं, क्यों, तुम सब एक ही परमेश्वर की आराधना करते हो हमारे पास यहां एक भविष्यवक्ता है, और वहां तुम्हारे पास एक भविष्यवक्ता है; और हमारा एक ही बलिदान है. वही एक यहोवा हमारा पिता जैसा है। अब, क्यों नहीं आप सब आये और हमारे साथ मिल जाये? "

बाईबल ने कहा, "अपने को अविश्वासियो में ना मिलाओ। उनके साथ बिल्कुल भी जुए में ना जुतों। यदि वे इसका विश्वास नहीं करते, उनसे अलग रहो।" समझे? "बाहर निकलो, और अलग रहो पर, " प्रभु की वाणी है, "और मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा।" समझे? "उनकी अशुद्ध वस्तु को ना छुओ।" यह ठीक बात है। उनकी गंदगी वचन के विरोध में, और इस प्रकार की चीजें, इससे अलग रहो। इसे ना सुनो।

171 और यहां हम पाते हैं कि बालाम वहां गया और वह लोगों को सिखाने लगा, और उसमें एक गलती थी। और वह बालाम के मार्ग में दौड़ा, यह उसने कैसे किया, और बालाक को सिखाया, और इस्राइली के बालकों को व्यभिचार किया। और इस्राइली के राष्ट्र पर मरी आयी, लोगों पर और उनमें से हजारों एक दिन में मर गये।

और जबकी वे सब वहां पर थे, परमेश्वर की वेदी के सामने प्रार्थना कर रहे थे, तो एक इस्त्राईली पुरुष मिदानी स्त्री के संग आया, एक नामधारी

स्त्री और तंबू में चला गया। और याजक का पुत्र वहां गया और बर्छी लेकर दोनों को मार डाला। और उससे परमेश्वर का क्रोध थम गया। आप जानते हैं यह वचन हैं। क्या यह ठीक है? समझे?

172 परंतु क्या घटित हुआ बालाम इस्राइली को कमजोर करने में सफल हुआ। उसने क्या किया? उसने उनके झुंड को कमजोर किया। परमेश्वर ने उसे जाने दिया और उन के झुंड को कमजोर करने दिया, और इसने सारे झुंड को दूषित कर दिया।

और जब कोई शिक्षा आरंभ होती है जो कि बाईबल का सत्य नहीं है, यह सारे झुंड को दूषित करता है, कोई एक भिन्न विचार के साथ खड़ा होता है, जैसे कोरह और कहता है, "भाई, *यह, यह* है और *दूसरा*, और मेरे पास भिन्न विचार है," यह सारे शिबिर को दूषित करता है। और यही जो हुआ सारी कलीसिया का शिबिर आज। यह ठीक बात है।

173 शिक्षा जैसा उसने किया, सारे शिबिर को निर्बल कर दिया उस का देश, बर्निया, वचन की बल परीक्षा, जब वे कादेश बर्निया पहुंचे तब, शिबिर का निर्बल होना हुआ। वे पीछे निकल गये...

स्मरण रखे, उन्होंने दूतों का भोजन किया। उनके पास परमेश्वर का वचन था, हर रात्रि प्रगट हुआ। और उन्होंने भोजन किया। उन्होंने चट्टान से पिया उन्होंने सब पिया आश्चर्य कर्म देखें। उन्होंने मूसा को देखा, उसका वचन देखा, उसकी भविष्यवाणी देखी हर चीज।

और फिर अनंतता उन्होंने इस झूठे नबी को सुना, उनके मध्य में आया और उन्हें गलत सिखाया, उसने शिविर को कमजोर किया, और उसके द्वारा समृद्ध हो गया।

उसने लाखो डालरों की इमारते बनवाई होगी, हो सकता है। उसके पास महान नामधारी हो। उसने हजारों हजार गुना जोड़ लिए हो, और महान कार्य किए हो और एक नबी था, यह ठीक है, परंतु, जब तक यह परमेश्वर के वचन के साथ नहीं, तो अच्छा है, आप इससे अलग रहें।

परमेश्वर अपना विचार नहीं बदलता। उसके वचन के संग बने रहें, क्योंकि यही अंत में आने वाला है, वचन, वचन पर वचन। "कोई भी, जो इसमें से एक वचन निकालेगा, या इसमें वचन मिलाएगा!" इसे तो वही, वचन बने रहना है।

174 अब ध्यान से सुने। जब वचन कि परीक्षा आयी, जब वे पहुंचे और देखा कि के विरोधी बहुत बड़ा है, वह महानतम विरोधी जो उन्होंने कभी देखा, अमाले की थे, उनके आकार से 10 गुना। उन्होंने कहा, "हम तो टिड्डी समान दिखाई पड़ते हैं। उनके चार दिवारीयां या उनके नगर इतने बड़ी दीवार से थे कि वे उस पर चारों ओर रथ दौड़ा सकते थे, दो रथ, ऐसे कठोर जैसे कि वे हो सकते, चारों और दीवारों से उनके नगर। क्यो, उनके भाले बडे बड़े वे लंबे थे। और वे लंबे चौड़े थे। क्यों हम तो टिड्डी से दिखाई पड़ते हैं। हम यह नहीं कर सकते।"

दो व्यक्ति उस वचन पर खड़े हुए, कालेब और यहोशू, बोले, "एक मिनट रुको! तुम बीस लाख लोगों एक मिनट के लिए मुंह बंद रखो। इसके करने से हम अधिक योग्य हैं। देखो, हम उनके मुकाबले मैं उनसे अधिक है।"

वे किस पर आधारित थे? परमेश्वर ने कहा है, "मैंने तुम्हें वह देश दे दिया है। यह तुम्हारा है।" और वे वहां खड़े हुए। परंतु लोगों ने दूसरों के मध्य में ब्याह कर लिया था, और सब प्रकार के मतसार और रीति रिवाज उनके मध्य में, और वे निर्बल से निरास पता नहीं कि कहां जाये और क्या करें। यह ठीक बात है। यहाँ वचन की परीक्षा आ गयी।

175 फिर भी, उसने अनुमति प्रदान की बनाये, आपकी इच्छा को अनुमति दें, एक बांधक अनुमति, यह जानते हुये... कि आप के ह्रदय में क्या है, वह यह जानता है।

आप कहते हैं, "भाई, भाई ब्रन्हम मैं *ऐसा–ऐसा* करता हूं यह मुझे परेशान नहीं करता परमेश्वर मुझे प्रतिदिन आशीष देता है। मैं आत्मा में गाता हूं। मैं आत्मा में नाचता हूं। मैं... " वह मुझे अनुमति देगा। आगे बढ़ो। यह ठीक बात है। परंतु आप क्या करने जा रहे हैं?

176 "मैं छोटे कपड़े पहनती हूं, और मैं *यह* करती हूं। यह मुझे परेशान नहीं करता। मैं जानती हूं, मेरा विश्वास मसीह में है, ना कि जो मैं पहनती हूं।"

परंतु, बाईबल ने कहा इसमें कुछ है। समझे? आप क्या करोगे? और ठोकर का कारण बनेंगे जैसा बालाम ने किया हर एक दूसरी स्त्रियों के सामने। आप अपनी युवा लड़कियों के सामने क्या करेंगे? आपके पास आवाराओं का एक झुंड होगा, यह बिल्कुल ठीक बात है, रंगी पुत्ति छोटी इजाबेलो का झुंड। समझे?

177 परंतु परमेश्वर आपको फलवंत करेगा, "क्यों, वह मुझे आशीष देता है।" मुझे इसमें संदेह नहीं। उसने बालाम को भी आशीष दी। समझे? निश्चय ही वह करेगा आप उसकी अनुमतिबोधक इच्छा में चलेंगे, ना कि उसकी सिद्ध इच्छा में। परमेश्वर अपना विचार नहीं बदलता, क्योंकि वह आपको आशीष देता है।

उसने ठीक वहां इस्राइली को चालीस वर्षों तक आशीष दी। उन्होंने क्या किया? पत्नियां ब्याह ली, परिवार वाले, बालको को चूमा, दशवांश या और वहां रहे। और परमेश्वर ने उन्हें जंगल में आशीषित किया, उन्हें मन्ना खिलाया और आदि–आदि। और उनमें से प्रत्येक नष्ट हो गया, क्योंकि उन्होंने उसकी मूल प्रतिज्ञा का पालन नहीं किया, अनुज्ञा... उसकी मूल इच्छा उसका वचन, उन्होंने अनुज्ञा का मार्ग लिया।

178 आगे बढ़ो, परंतु आप याद रखें जब उन्होंने कादेश छोड़ा उन्होंने आगे यात्रा ना की। वे चक्कर ही काटते रहे जंगल में। उसके पश्चात, वे दो दिन में बाहर हो सकते थे और प्रतिज्ञा के देश में हो सकते थे। उन्होंने चालीस वर्ष यात्रा की, और उनमें से प्रत्येक मर गया, सिवाये यहोशू और कालेब के, वे जो उस मूल वचन पर टिके रहे।

179 ओह, परमेश्वर हमारी सहायता करें। परमेश्वर अपनी इच्छा नहीं बदलता, वह अपना विचार नहीं बदलता, परंतु वह आपको आशीषित करेगा।

निश्चय ही, उसने बालाम को आशीष दी। और उसने वहां पर क्या किया? उसने पूरे शिविर को दूषित कर दिया। देखिए, जो उसने कहा उस पर आपको स्थिर रहना है। उसने कभी भी अपना मूल योजना नहीं बदली।

180 अब आज के बालाम को कार्यक्षेत्र में देखें, क्या आप चारों और देखेंगे, भरपूरी, भाषाओं में बोल रहे हैं, निश्चय ही, लाभ के लिए परमेश्वर के वरदान का उपयोग, हर चीज, निश्चित ही। परंतु इसने परमेश्वर की सारी कलीसिया को भ्रष्ट शिक्षा से दूषित कर दिया। यह ठीक बात है।

एक ने मुझसे कहा, बोला, "आप *यह* किसलिए कर रहे हो? *वह* आप किसलिए कर रहे हो? "

मैंने कहा, "क्या आप विश्वास नहीं करते कि यह सत्य है? "

181 "ओह, हां। परंतु," उसने कहा, "क्या आप जानते हैं? यह आपका काम नहीं है, आप बीमारों की प्रार्थना के लिए है। वे आपका भविष्यवक्ता

होने का विश्वास करते हैं। क्यों, आप उन स्त्रियों को सिखा सकते हैं कि कैसे, और उन पुरूषों को कि *यह वह, कुछ* कैसे करें।"

"आप उन्हें बीजगणित कैसे सिखा सकते हैं जबकि वे अपना क ख ग भी नहीं जानते। ओह? ओह? आप उन्हें वे चीजे कैसे सिखा सकते हैं जबकि अपना प्रारंभिक भी नहीं लिया? " समझे? आपको वापस आना ही है और वही से आरंभ करना है जहां से आपने छोड़ा, और परमेश्वर के हर वचन को ले।

182 आज कार्य क्षेत्र में देखें। जैसे बालाम ने परमेश्वर की कलीसिया से विवाह किया, एक वेश्या, वेश्या का परमेश्वर की कलीसिया में विवाह किया, आज ऐसे ही झूठे शिक्षक है आपको बताने का यत्न कर रहे हैं। वे इन हर संस्थाओं से विवाह करने जा रहे हैं और यह लोग प्रकाशितवाक्य की पुरानी वेश्या से, 17। उनकी बालाम की शिक्षा आज चारों ओर फैल रही है और कहते हैं, "हम सब एक हैं। हम सब मसीही हैं।" और याजक और पोप, और जो कुछ भी है सब समझौता कर रहे है, और यह कर रहे हैं।

183 प्रचारक ने कहा... यहां तक कि पेंटीकोस्टल प्रचारकों को जानता हूं, वे सब अब गोल पापड़ी दे रहे हैं। जिसका अर्थ है *आश्तोरेत*, "चंद्र देवता," एक पापड़ी। कहते हैं, "आंख बंद करो, और इसे लो, यदि ये आपके विवेक को चोट पहुंचाता है।" अपनी आंखें बंद कर लो? एक गोल पापड़ी, इसका क्या अर्थ है? हम टूटी हुई देह ले रहे हैं, यीशु मसीह, टूटा हुआ; ना कि गोल चंद्र देवता, आश्तोरेत, जिसका स्थान मरियम ने लिया। और रोमन रोटी अब भी गोल है, चंद्र देवता के लिए, देवी ना की देवता। हमारे पास टूटी हुई रोटी निश्चय ही। ओह!

184 इसलिए अब प्रकाशितवाक्य 17 की बड़ी वेश्या, यह बालाम शिक्षक अपनी झूठी शिक्षा के साथ कलीसिया से विवाह कर रहे हैं एक प्रकार के गोल माल के साथ। ध्यान दें जब यह अंत के समय बल परीक्षा के लिए आते हैं, उसकी अब निर्बलता को देखें। नौ सौ कुछ भिन्न प्रकार की संस्थाये, एक–एक और खींच रहा है दूसरा–दूसरी और उनके बीच में कोई एकता नहीं है वे एकता लाने का यत्न कर रहे हैं, परमेश्वर के वचन की सामर्थ के द्वारा नहीं, परमेश्वर की मूल योजना, वे इसे राजनीति और संस्था के द्वारा ले रहे हैं।

परमेश्वर अपना विचार नहीं बदलता, वह ठीक अपने वचन के साथ बना रहता है। उसने कहा, "आकाश और पृथ्वी टल जायेंगे, परंतु मेरा वचन नहीं।" यह ठीक बात है। वह अपने मूल वचन के साथ रहता है। ओह, प्रभु!

185 यदापि वे इसके विरोध में विवाद करते हैं, जैसा कि उन्होंने किया और... करने के लिए केवल एक चीज है। वह इसे नहीं बदलेंगा। बस विश्वास करें। क्योंकि आकाश और पृथ्वी दोनों टल जायेंगे; उसका वचन कभी असफल नहीं होगा। समझे?

186 आप देखिए आप कहां विवाह कर रहे हैं? राजनीति आदि को देखें कैसे वे राजनीति के द्वारा कलीसिया को मिला रहे हैं कलीसिया में? हम मसीह में राजनीति के द्वारा नहीं मिले।

हम कलीसिया में मिले, मसीह में, पवित्र आत्मा के बपतिस्में के द्वारा। और जिस प्रकार से आप जानते हैं पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, क्योंकि वह आत्मा आप में परमेश्वर के हर वचन को सत्य प्रमाणित करता है। यह ठीक बात है। "क्योंकि कोई भी जो एक वचन इसमें से निकालेगा या एक वचन इसमें मिलाएगा, उसका भाग जीवन की पुस्तक में से ले लिया जाएगा।"

187 फिर भी, "वह फल–फूल रहा है," आप कहते हैं। आप इस पर फलने–फूलने से विश्वास नहीं कर सकते, आप परमेश्वर को समृद्धि के द्वारा नहीं जाच सकते। संसार समृद्ध है। बालाम इसके द्वारा फला–फूला।

परंतु, भाई, आप परमेश्वर को उसके वचन के द्वारा जांचते हैं, वह अपने वचन को बनाए रखता है और इसे सत्य से प्रमाणित करता है। इसलिए, मित्र, याद रखें, जब तक आप जीते हैं इसे कभी ना भूले: परमेश्वर अपना विचार नहीं बदलता। फिर भी, वह आशीष देगा, वह आपको अपनी बोधक अनुमति में जाने देगा परंतु वह अपना विचार नहीं बदलेगा। वह अपनी योजना नहीं बदलेगा। वह आपके लिए अपना वचन नहीं बदलेगा। नहीं श्रीमान।

आपको बदलना होगा, आप परमेश्वर का वचन नहीं ले सकते कि अपने अनुभव से मिलाये; आपको अपना अनुभव परमेश्वर के वचन से मिलाना है। समझे? इसी प्रकार से आपको लेना है...

आप कहते हैं, "भाई, मैं अच्छा मनुष्य हूं। परमेश्वर *यह* करता है, *वह* करता है, या *कुछ* और।" परंतु क्या आप उसके वचन का पालन करते हैं? "ओह, भाई, मैं आपको बताता हू यह ऐसा नही... नही।" ठीक है कहीं कुछ गड़बड़ है। परमेश्वर... वह आपको समृद्धि देगा। निश्चय ही, आपको बनायेगा...

188 नामधारी फल–फूल ले रहे है, जिनके पास यह नहीं है! उन्होंने अपने तंबू लगाए, महान, अच्छी कलीसियाये और सब कुछ उस देश में। वे धनी थे पैसा आ रहा है और हर कहीं से सदस्य। क्या बाईबल नहीं कहती, "उनमें संसार का धन मिलेगा और मनुष्य का प्राण भी," और हर चीज जो इस बूढ़ी वेश्या में मिला था, जो कि इस सारे की मां है राजनीति और संस्था?

189 परंतु परमेश्वर का छोटा झुंड उसकी दुल्हन उस वचन पर केंद्रित हुआ। होने पाए प्रिय स्वर्गीय पिता इसे सदा वही स्थिर रखें, आप इस वचन से कभी ना हटे।

आप आशीषित हो, आप... परमेश्वर आपके रोगियों को चंगा करें वह आपके बीमार बालकों को चंगा करें आपकी पत्नी आपकी माता को चंगा करें किसी और को। आप उसके आत्मा पर कूदे और ऊपर–नीचे नाचे।

स्मरण रहे, वर्षा धर्मी अधर्मी दोनों पर पड़ती है, वैसे ही परंतु जब बीज वहां पड़ा है या तो महा अभिषेक है या फिर नहीं। और यदि यह अभिषिक है, यह सकता है... यदि यह गेहूं है, तो इसे गेहूं ही उगाना है। यदि यह परमेश्वर का वचन है तो इसे परमेश्वर का वचन ही उत्पन्न करना है यदि यह ठीक है, तो फिर यह नहीं है। समझे? अब आप उसे समझ गये?

190 प्रभु आपको आशीष दे। यहां मैंने आपको बताया कि मैं नौ बजे छोड़ने जा रहा हूं, और यहां दस बजने में बीस मिनट है। आप में से बहुतों को बहुत दूर जाना है। मैं आपसे प्रेम करता हूं। और कारण जो मैंने आपको यहां इस प्रकार रोक रखा है इसलिए नहीं कि मैं आपके लिये क्रूर हूं, परंतु मैं आपसे प्रेम करता हूं। और जो मैं जानता हूं मैं कुछ नहीं छुपाता; मैं आपको सत्य बताता हूं।

191 बाहर जहां मैं सभाओ मैं जाता हूं आप यह संदेश प्रचार करते मुझे कभी नहीं सुनेंगे। नहीं, मैं आपसे प्रतिज्ञा करता हूं कि इस आराधनालय में आये। ठीक यहाँ मैं जहां अपने संदेश से प्रचार करता हूं। यहां मेरे पास तीन या चार

और है जो प्रभु ने मुझे दिए हैं, इस पर मेरे पास पवित्र लेख है, जिसको मैं कहीं और प्रचार करने का साहस नहीं करता केवल यही पर। यही जहां से परमेश्वर का वचन जाना आरंभ हुआ। और, जब तक परमेश्वर इसे बदलता है, मैं यही रहूंगा और यही पर लाऊंगा। यह ठीक बात है।

बाहर की सभाओं में मैं बीमारो हूं के लिए प्रार्थना करता हूं, और इस प्रकार की सारी बातें और उधर बातों को घुमा कर कहता हूं कि भेड़ इसे सुनती है। वे जानते हैं किस विषय में बात हो रही है। दूसरी तरह से यह कांटे में चारा है, आप देखिए। यह चिन्ह दर्शाता है, यह दिखाने का यत्न करता है कि परमेश्वर जानता है कि विचारों के परखने में और लोगों के हृदय को जानता है यह चीजें करता है। यह एक प्रचारक का वरदान है, कि लोगों में हलचल कर दें।

पहली बात आप जानते हैं उनके घरों में भेजते हैं। तब, वे इसे पाते हैं। यदि वह एक भेड़ है, वह इसी के साथ आता है। यदि वह एक बकरी है, तो वह टेप को बाहर कर देता है। ओह। [भाई ब्रेन ब्रेथन्ट कहते हैं, "और आप भी"—सम्पा।] आप देखिए यह... "आप भी," क्या ठीक है, बेन। यह यह बिल्कुल ठीक बात है बेन को कुछ अनुभव हुए हैं। ठीक है। भाई, यह ठीक बात है।

192 क्या आप आनंदित नहीं कि आप उसके हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] क्या आप आनंदित नहीं? ["आमीन।"] हम एक छोटा पेंटीकोस्टल गाना गाते थे, बहुत पहले, ऐसे:

मैं खुश हूं कि प्रभु मुझे बाहर ले आया;
मैं खुश हूं कि प्रभु मुझे बाहर ले आया;
यदि यह यीशु के लिए नहीं होते तो मैं कहां पर होता?
मैं खुश हूं कि प्रभु मुझे बाहर ले आया,

ओह, मैं आनंदित हूं जब से प्रभु मुझे बाहर ले आया;
मैं खुश हूं जब से प्रभु मुझे बाहर ले आया;
यदि यह यीशु के लिए नहीं होते तो मैं कहां पर होता?
मैं बहुत आनंदित हूं कि प्रभु मुझे बाहर ले आया।

मैं चिल्ला रहा हूं जब से प्रभु मुझे बाहर नहीं आया;
मैं चिल्ला रहा हूं जब से प्रभु मुझे बाहर ले आया;
यदि यह यीशु के लिए नहीं होता तो मैं कहां पर होता?
मैं खुश हूं कि प्रभु मुझे बाहर ले आया,

महिमा हो! क्या आप आनंदित नहीं? [सभा कहती है "आमीन।"—सम्पा।] "क्या आप आनंदित नहीं... " आईये हम इसे गाये

क्या आप आनंदित नहीं कि प्रभु आपको बाहर ले आया?
क्या आप आनंदित नहीं कि प्रभु आपको बाहर ले आया?
यदि ये यीशु के लिए नहीं होता ओह मैं कहां पर होता?
मैं बहुत आनंदित हूं कि प्रभु मुझे बाहर ले आया।

मैं तब से गा रहा हूं जब से प्रभु मुझे बाहर ले आया;
मैं गा रहा जब से प्रभु मुझे बाहर ले आया;
यदि यीशु के लिए नहीं होता ओह तो मैं कहां पर होता?
मैं बहुत आनंदित हूं कि प्रभु मुझे बाहर ले आया।

क्या आप इससे आनंदित नहीं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तब हम उजीयाले में चलेंगे। आप वह गाना जानते हैं?

हम उजीयाले में चलेंगे, यह सुंदर उजियाला है,
वहां आओ जहां अनुग्रह की ओस की बूंदें चमकती है;
हमारे चारों और दिन और रात चमकती है,
ओह, यीशु, संसार की ज्योति।

क्या आप यह पसंद नहीं करते? आईये हम इसे फिर से गाये।

हम ज्योति में चलेंगे, यह सुंदर ज्योति है,
वहां आओ जहां अनुग्रह की ओस की बूंदें चमकती है;
हमारे चारों और दिन और रात चमकती है,
ओह, यीशु, जगत की ज्योति।

यह सूर्य ऊपर है!

तुम सारे ज्योति के घोषित संतो,
यीशु जगत की ज्योति है
सच्चाई और अनुग्रह उसके नाम में है
यीशु जगत की ज्योति...

अब आईये, जब हम इसे गाते हैं तो अपने हाथ उठाये।

ओह, हम इस ज्योति में चलेंगे, यह इतनी सुंदर ज्योति है,
यह वहां से आती है जहां अनुग्रह ओस की बूंदें चमकती है;
हमारे चारों और दिन–रात चमकती है,
यीशु, संसार की ज्योति।

एक दूसरे से हाथ मिलाये।

ओह, यह वहां से आती जहां अनुग्रह ओस की बूंदें चमकती है।

क्या आप आनंदित नहीं कि आप ज्योति की संतान है? पुत्र ऊंचे पर है।

... हमारे चारों ओर दिन और रात

"तुम छोटे बालको, एक दूसरे से प्रेम रखो।"

ओह, हम ज्योति में चलेंगे, यह ऐसी सुंदर... (उसके वचन का प्रगटीकरण)
वहां से आती है जहां अनुग्रह ओस की बूंदें चमकती है,
हमारे चारों ओर दिन–रात चमकती है,
यह यीशु, जगत की ज्योति।

आप यह विश्वास करते हैं?

हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
वह सुंदर सुंदर सिय्योन;
हम ऊपर सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

ओह, हम सियोन की ओर बढ़ रहे हैं

वे जो इसे नहीं गाते,
जिन्होंने हमारे परमेश्वर को कभी नहीं जाना;
परंतु स्वर्गीय राजा के बालक,
और केवल स्वर्गीय राजा के बालक,
और बाहर अपने आनंद की बात बोलते सकते,
बाहर अपने आनंद की बात बोल सकते।

क्योंकि हम बढ़ रहे हैं... (महिमा हो!)
वह सुंदर सुंदर सिय्योन;
हम ऊपर सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
परमेश्वर का वह सुंदर नगर।

ओह, हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
ओह, सुंदर सुंदर सिय्योन,
हम ऊपर सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं;
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

193 अपने रुमाल बाहर निकाल ले। अपने रुमाल बाहर निकाल ले, एक मिनट। आईये, हम प्रभु को हिलाने वाली भेट चढ़ाये। यह पूला नहीं है, परंतु उन्होंने पौलुस की देह से रुमाल छुआये और आदि–आदि, देखा।

ओह, हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
ओह, सुंदर सुंदर सिय्योन;
हम ऊपर सिय्योन कि ओर बढ़ रहे हैं,
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

ओह, हम सिय्योन कि ओर बढ़ रहे हैं,
ओह, सुंदर सुंदर सिय्योन;
हम ऊपर सिय्योन कि ओर बढ़ रहे हैं,
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

194 आमीन! ओह क्या आपको इससे अच्छा अनुभव नहीं हो रहा? मैं उन पुराने खेतों की कल्पना कर सकता हूं, वहां रोमन सर्कस में जाने से पहले, उस पहाड़ पर चढ़ना आरंभ कर दिया, आप जानते हैं उस छोटे ढाल पर जो सिहो माद में जाता, यह कहते हुये:

ओह, हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
यह सुंदर सुंदर सिय्योन;
हम ऊपर सिय्योन कि ओर बढ़ रहे हैं,
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

सिय्योन के खेत उपजाते हैं
एक हजार पवित्र मीठासे
इसके पहले कि हम स्वर्गीय सिहासन पर पहुंचे,
इसके पहले कि हम स्वर्गीय सिहासन पर पहुंचे,
या सुनहरी सड़कों पर चले,
या सुनहरी सड़कों पर चले।

हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
यह सुंदर–सुंदर सिय्योन है;
हम ऊपर सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

195 मेरे बाद दोहराये। प्रभु परमेश्वर, [सभा कहती है, "प्रभु परमेश्वर।"—सम्पा।] मैं आपसे फिर प्रतिज्ञा करता हूं। ["मैं आपसे फिर प्रतिज्ञा करता हूं।"] मुझे हर अधर्म से शुद्ध कर। ["मुझे हर अधर्म से शुद्ध कर।"] मुझे तेरे वचन के हर संदेह से शुद्ध कर। ["मुझे तेरे हर वचन के संदेह से शुद्ध कर।"] मुझे इस इस्टर से, ["मुझे इस इस्टर से"।] एक नई सृष्टि बना ["एक नई सृष्टि बना।"] मसीह यीशु में। ["मसीह यीशु में।"] मेरे ह्रदय के भीतर रहे, ["मेरे ह्रदय रुद्र के भीतर रहे।"] आपका वचन। ["आपका वचन।"] यह मेरे पांव के लिये उजियाला हो ["यह मेरे पांव के लिए उजियाला हो।"] जो मेरे मार्ग पर उजियाला दे। ["जो मेरे मार्ग पर उजियाला दे।"] अब से ["अब से।"] मैं आपका अनुकरण करूंगा। ["मैं आपका अनुकरण करूंगा।"] यीशु के नाम में। ["यीशु के नाम में।"] आमीन। ["आमीन।"]

हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
ओह, सुंदर सुंदर सिय्योन;
हम ऊपर सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

196 क्या यह आपको अच्छी अनुमति नहीं देता? [सभा कहती है "आमीन"—सम्पा।] हमने फिर प्रतिज्ञा ली है अपने ह्रदय में यह जानते

हुये कि हम मरे हुओं में से जी उठे हैं, जीवित है। क्या इससे आपको अच्छी अनुभूति नहीं होती? [“आमीन।”] ओह, प्रभु मैं आपसे प्रेम करता हूं! ना समाप्त होने वाले प्रेम से।

सुनिये। “एक दूसरे से प्रेम करें। क्योंकि आप अपने भाई से घृणा नहीं कर सकते, जिसे आप देखते हैं, और कहे मैं परमेश्वर से प्रेम करता हूं, जिसे आपने नहीं देखा।” समझे? इसलिये बस एक दूसरे से प्रेम करें।

तब आप एक दूसरे की सेवा करते हैं, आप परमेश्वर की सेवा करते हैं। क्या यह ठीक बात है? “जैसा कि आप इन छोटो से छोटो के साथ करते हैं, जिनमें जी उठने की सामर्थ है, तुमने मेरे साथ किया।”

“हमने आपको कब आवश्यकता में देखा? हम आपसे कब कैद में मिलने आये, हमने कब यह चीजें की? ”

“जो तुमने उनके साथ किया, तुमने मेरे साथ किया।”

197 क्या यह अद्भुत नहीं? [सभा “आमीन” कहती है।—सम्पा।] मैं उससे प्रेम करता हूं, क्या आप नहीं करते? [“आमीन।”]

198 ओह, एक और गाना हमें गाना है यदि आपके पास एक मिनट का समय है। ओह, ठीक है हम उन्हें लेंगे। ठीक है। ठीक है, श्रीमान ओह! *यीशु नाम को अपने साथ ले इसे ना भूलें* मित्रों। आईये अब हम सब इसे गाये। प्रत्येक, अब एक साथ एक बड़े ह्रदय के साथ, उसके पास ले जाये। आईये, हम में वह सब जो है।

यीशु नाम को अपने साथ ले,
दु:ख और संकट का बालक;
यह आनंद और आराम आपको देगा,
आप जाये इसे साथ ले।

कीमती नाम ओह कितना मीठा,
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
कीमती नाम, ओह कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद,

199 अब स्मरण रखें, मेरे लिए प्रार्थना करें जब कष्टों की हवा बह रही है, जब शैतान हर ओर से चुनौती दे रहा है, मैं स्मरण रखूंगा कि आप मेरे लिए रात और दिन प्रार्थना कर रहे हैं, और मैं आपके लिये प्रार्थना करूंगा।

अपने अच्छे पास्टर भाई नेविल के साथ बने रहे, और साथ के भाई केप्स। उन्हें सुने। वे आपको जीवन का वचन सिखायेगे। मैं यह विश्वास करता हूं। यदि मैंने यह विश्वास ना किया, तो निश्चय ही मैं उन्हें यहां ना लेता निश्चय नहीं लेता। मैं विश्वास करता हूं कि वे संदेश का विश्वास करते हैं, और अपनी पूरी जानकारी से वे इसके साथ बने हुये हैं, और मैं इन दोनों में विश्वास करता हूं, इनके संग बने रहें। यह दूसरे भाई लोग जो यहां आस–पास है अपनी सभा करते हैं जो आज रात्रि यहां पर खड़े हुये, यदि आप आस–पास इनके पड़ोस में है, इन साथ खड़े हो। आपने सुना वे यहां किसलिये आये हैं, आज रात्रि।

यीशु नाम को अपने साथ ले,
हर बंदे की एक ढांल के समान; (इसे सुने)
जब आपके चारों और परीक्षाये हो जमा हो,
तो अपनी प्रार्थना में पवित्र नाम को ले।

कीमती नाम कीमती नाम ओह कितना मीठा, ओह
कितना मीठा
आशा...

प्रिय परमेश्वर, इन लोगों को चंगा करें। मैं तुझ से प्रार्थना करता हूं पिता, यीशु के नाम में इसे प्रदान करें प्रभु मैं प्रार्थना करता हूं।

... ओह कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा स्वर्ग का आनंद

जब तक हम मिले! जब तक हम मिले!
जब तक हम यीशु के चरणों पर मिले;
जब तक हम मिले! जब तक हम मिले!
परमेश्वर आपके संग हो जब तक हम फिर मिले।

आइये, अब हम अपने सिर को झुकाये।

[भाई ब्रन्हम गुनगुनाना शुरू करते हैं *परमेश्वर आपके साथ हो*—सम्पा] ओ, परमेश्वर हमारे साथ हो प्रभु हमारी सहायता करें।

... हम यीशु के चरणों पर मिले! (जब तक हम मिले!)
जब तक हम मिले! जब तक हम मिले!
परमेश्वर आपके संग हो जब तक हम फिर मिले।

200 यह मेरी सच्ची प्रार्थना है। जब तक हम फिर मिले परमेश्वर आपको आशीष दे! और अब मैं अपने मूल्यवान भाई नेविल से कहने जा रहा हूं, यदि वे इस अच्छी भक्त मंडली को विसर्जित करें।

परमेश्वर आप में से प्रत्येक को प्रेम करता है। मैं आप जैसे लोगों को पा कर धन्यवादित हूं मेरा संदेश क्या कहता होता, यदि मेरे पास इस पर विश्वास करने के लिए कोई नहीं होता? और यहां पर लोग है आप इसके लिए मर जायेंगे इस संदेश के लिए जो हमारे पास है। परमेश्वर आपकी प्रत्येक की सहायता करें। मेरी प्रार्थनाये आपके साथ है। मेरी आशीषे आप में से प्रत्येक के साथ है। आप यह कभी ना भूलें कि आप पुनरुत्थान का एक भाग है। जिला देने वाली सामर्थ अब आपके अंदर है। यह सब तय हो गया है। आप परमेश्वर के बालक है।

आईए अपने सिर को झुकाए, जब तक भाई नेविल विसर्जित ना करें। और परमेश्वर आपको आशीष दे।

क्या परमेश्वर कभी अपना विचार अपने वचन के प्रति बदलता है? HIN65-0418E

(Does God Ever Change His Mind About His Word?)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 18 अप्रैल, 1965 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडिआना यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org